



Cauliflower - PACKAGE OF PRACTICES

Congratulations! You have chosen one of the finest Cauliflower seeds from the Crystal family. Crystal has solid experience in producing high-qualityCauliflower seeds. These seeds are the result of extensive research, aimed at developing high-yielding hybrid crops suitable for diverse agricultural climates. Crystal adopts the latest technologies during seed production to ensure that farmers receive seeds of the highest quality. Crystal's Cauliflower seeds provide excellent germination & better Vigor with tolerance to biotic & abiotic stresses.

Kindly adopt the best farming practices to get outstanding yield. The following general recommendations are provided, so we kindly ask you to read these recommendations before making any decisions.

maning arry accisions														
Cauliflower Hybrid	Maple, Nayra Selena	ı, Sophia												
Duration	85-95 DAS 95-1)5 DAS												
Kharif	May- June July	- Aug			 							1		
Rabi	Earl	y Rabi												
Spring	Yes													
Source of Irrigation	Ground Gr	ound												
		Please note ac	cording t	o weather cond	itions crop grov	vth & maturity	may be dif	fferent						
S. No.	Particulars/ operations/	Practice			Details of ope	ration. input pe	er acre							
1	Suitability of the area/	Agro-climatic zon	e		Cauliflower re	quires cool tem	peratures,	with the op	timum ran	ge for grow	h and curd	formation		
					being approxir	nately 15- 21°C	. Varieties s	uitable for	slightly hig	her tempera	ture have b	oeen		
					developed, and it is crucial to check with the supplier for the suitbality of the variety for									
					respective zones. Light soil is suitable for early crops while, loam to clay loam soils suit mid and late-season crop									
2	Land/ Soil							, loam to cl	ay loam soi	ls suit mid a	ınd late-sea	son crops.		
					Soil The optim									
3	Season. Sowing/plantir	ig time			II .	nutiple seasons			-			-		
					main-season v. December.	arieties from Se	ptember to	October, ar	nd late-seas	on varieties	from Octob	ser to		
4	Seed rate/ acre				-	. Seed rate depe	ends on the	variety						
5	Preparation of Main fiel	d and planting				e prepared to a			compost to	he applied	It is advical	ble to		
I	- reparation of Main He	Punting				me every 3 year								
					30 days before						11			
6	Spacing					plant to plant)	: 60 cm x 30	cm						
	17				TVA CO TO TO	001 Page	1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	21 /1 *-	16 637 3	(11)	(D) () (D))		
7	Manures and Fertilizers				II .	80 kg., P205 60	0	0.						
						ied as basal and ng earthing up).		iung nait of	in to be tol	aressea at	эо days aft	er		
	6 14 4 11 4					0 0 1.								
8	Seed treatment before se	owing			Seed is treated	with Captan 2	g/kg							
10	Irrigation schedule					ter transplantii								
					seedlings are established and subsequent irrigation should be given whenever required. Availability of water in soil should be uniform.									
					Availability of	water in soil sh	iould be un	itorm.						
11	Weeding/ inter cultivat	ion			Two hand wee	ding is required	d. Keep plo	ts free of we	ed. Earthir	ng up at 30 a	and 60 davs	after		
	6, 2				sowing.	0				0 -1 -1-00				
12	Mi ano mustri ant / anovustla				Ear Hill Zone	:\ A mandar la carca	2000 ((2 ~ /1:4) ~ o f	1:	20 dama afta		tim ~ @ 6E0		
12	Micronutrient/growth	egulator sprays			lit spray soluti	i) Apply boron on/ha (N. B. Be								
						cronutrient for								
					recommendati			•				•		
13	Pest and Disease contro	ol .			Caterpillars and other leaf eaters: Spray Emamectin Benzoate 5% SG (0.5 gm/ltr)									
		-			Field-cricket, cutworm, red ants and other soil insects: Apply Flubendiamide 8.33 % +									
					Deltamethrin 5.56 % w/w SC (0.5 ml/ltr)									
					Black rot: Drer	ch the soil with	100-200 pp	om solution	(0.1-0.2g/l	it) of Strep	omycin aft	er		
					transplanting.			1 (1)						
					Leaf miner: Abamectin 1.8% EC (0.5 to 1 ml/litre), Thrips / Aphids: Flonicamid 50 % WG (0.5 gm/litre) or Flubendiamide 8.33 % + Deltamethrin									
					5.56 % w/w SC (0.5 ml/ltr)									
					Fruit fly: Use pheromone traps. Delta mithrin 1ml/litre									
					Tanking, ose presonance dups, bein manim min/ mie									
					For more information to control & disease in field, please consult your local agriculture officer									
14	Harvest				Harvesting tin									
					are frim, comp					ecome loose	. WHile har	vesting,		
45	Especiate desired					talk below the					ha 2 E I - E :			
15	Expected yield				11 *	on the variety, areties it may g	0,	-				onnes,		
	<u> </u>													
17	Storage					Cauliflowre sho					18% relative	humidity.		
					Ŭ	ensure the curc								
18	Don't Do				II .	er, especially du	-							
					Nitrogen close	to harvest is a	strict no, as	it can lead	to Aphid b	uiia up and	impact cur	as		
10	Dele													
19	Do's													
Note	The above information:	s a general adviso	ory. For s	pecific recomme	endations related	l to particular	region, plea	se contact y	our local S	tate Agricu	lture Depar	tment.		
Precautions	Crop growth and yield	can be affected by	various	factors. Therefo	re, it is recommended to consult your local agricultural officer for advice. Ensure that only high-							nly high-		
		*			urchase of seeds, fertilizers, and pesticides.							,		





फूलगोभी की खेती का तरीका

बधाई हो! आपने क्रिस्टन परिवार की फूलगोभी की बेहतरीन किस्म की बीजों में से एक को चुना है। क्रिस्टन कंपनी को उच्च दर्जे के फूलगोभी के बीजों के उत्पादन का समृद्ध अनुभव है। ये बीज व्यापक शोध के फलस्वरूप तैयार किए सए हैं, ताकि अनय-अनय खेती की परिस्थितियों में अधिक उपज देने वाली हाइब्रिड फललें विकित्तत की जा सकें। क्रिस्टल कंपनी बीज निर्माण में आधुनिक तकनीकों का उपयोग करती है, जिससे किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज मिल सकें। क्रिस्टल कं शिमला मिर्च के बीजों में उच्च अंकुरण क्षमता, मजबूत पौध बृद्धि और रोग और पर्यावरणीय तनावों के प्रति अच्छी सहतशीलता देते हैं। बेहतरीन परिणाम प्राप्त करने हेतु खेती के अपुशंसित तरीकों को अपनाएं। आगे कुछ सामान्य सुझाव दिए जा रहे हैं, इसलिए हम आपसे विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि फैसला लेने से पहले कृपया इन्हें अच्छी तरह पढ़ लें।

हाइब्रिड फूलगोभी	हाइब्रिड. मेपल, नायरा सोफिया											
अवधि	85-95 95-105 DAS DAS											
खरीफ	मई-जून जुलाई-अगस्त											
रबी	शुरुआती रबी											
वसंत	- gi											
सिंचाई का स्रोत	जमीन जमीन											
क्रम सं.	विवरण/ संचालन/तरीका	कृपया ध्यान रखें के जलवायु की स्थिति के अनुसार फसल वृद्धि और परिपक्त होने का समय जलग-जलग हो सकता है कार्यप्रणाली का विवरण। प्रति एकड़ लागत										
1	क्षेत्र की उपयुक्तता / कृषि-जलवायु क्षेत्र	फूलगोभी के लिए ठंडा मौसम अनुकूल है, और इसके विकास और फूल बनने के लिए 15–21°C का तापमान उपयुक्त माना जाता है। कुछ उच्च तापमान सहनशील किस्में विकसित की गई हैं, इसलिए संबंधित क्षेत्र के लिए किस्म की उपयुक्तता के बारे में बीज आपूर्तिकर्ता से सलाह लें।										
2	भूमि/ मिट्टी	थुरुआती फसलों के लिए हल्की मिट्टी बेहतर है, और मध्य और देर वाली फसलों के लिए दोमट से चिकनी दोमट मिट्टी उपयुक्त होती है। मिट्टी के लिए उपयुक्त pH 5.5–6.0 है।										
3	मौसमा बुवाई/रोपाई का समय	यह फसल भारत में कई मोसमों में उगाई जाती है। शुरुआती मोसम की किस्में मई से अगस्त तक, मुख्य मोसम की किस्में सितंबर-अक्टूबर तक, और देर वाली किस्में अक्टूबर से दिसंबर तक बोई जाती हैं।										
4	प्रति एकड़ बीज की मात्रा	120-160ग्राम/ एकड़। बीज की मात्रा किस्म पर आधारित होती है										
5	मुख्य खेत की तैयारी और रोपाई	खेत को अच्छी तरह से जोत कर उसमें गोवर खाद या कंपोस्ट मिलाएँ। सलाह है कि मिट्टी की जाँच के आधार पर हर 3 साल पर बुझा हुआ चूना डालें। रोपाई से कम से कम 30 दिन पहले चूना डाला जाना चाहिए।										
6	पौधों के बीच दूरी	(पंक्तिः से पंक्तिः और पौधा से पौधा): 60 x 30 सेमी										
7	जैविक और रासायनिक उर्वरक	गोवर खाद 10 टनहिक्टेयर, नाइट्रोजन 80 किया, फॉस्फोरस 60 किया और पोटाश 20 किया/हेक्टेयर। नाइट्रोजन का आधा और FYM, फॉस्फोरस और पोटाश की पूरी मात्रा बेसल के रूप में लगाएँ, शेष नाइट्रोजन 30 दिन बाद (मिट्टी भराई के दौरान) ऊपर से डालें।										
8	बुआई से पहले बीज उपचार	बीज पर कैप्टन 2 ग्राम प्रति किग्रा का छिड़काव करें										
10	सिंचाई कार्यक्रम	प्रत्यारोपण के तुरंत बाद पौधों को हल्का पानी दें और पौधों के स्थिर होने तक सिंचाई जारी रखें; आगे की सिंचाई आवश्यकता अनुसार करें। मिट्टी में पानी बरावर मात्रा में मौजूद होना चाहिए।										
11	गुड़ाई और खेत की बीच-बीच में जुताई	दो बार हाथ से खरपतवार निकालना जरूरी है। खेत में किसी भी तरह का खरपतवार न होने दें। 30 और 60 दिन के बाद पौधों के आसपास मिट्टी भरें।										
12	पोषक तत्व और विकास नियामक का छिड़क	पहाड़ी क्षेत्र: (i) रोगाई के 30 दिन बाद 3000 ppm बोरॉन (3g/लीटर) पत्तियों पर छिड़कें, छिड़काव घोल 650 लीटर/हेक्टेयर हो। (तोट: बोरेक्स में 11.3% और बोरिक एसिड में 17.5% बोरॉन होता है।) (ii) रोगाई के 32–45 दिन में कमर्शियल माइक्रोन्यूट्रिएंट फॉर्मुलेशन को दो हिस्सों में बांटकर दो बार में लगाएँ।										
13	कीट-पतंग और रोग नियंत्रण	तितली के लार्वा और पत्ती खाने बाले अन्य कीट: इमामेक्टिन बेंजोएट 5% SG @ 0.5 ग्राम/लीटर का छिड़काव करें फील्ड-किकेट, कटवॉर्म, लाल चींटियों और मिट्टी के अन्य कीट: फ्लुबंडियामाइड 8.33% + डेल्टामैश्निन 5.56% w/w SC (0.5 मिली/लीटर) का छिड़काव करें ब्लैक रोट: रोपाई के बाद मिट्टी में 100–200 ppm (0.1–0.2 ग्राम/लीटर) स्ट्रेप्टोमाइसिन का घोल डालें। पत्ती खाने वाले कीट: एवामेक्टिन 1.8% EC (0.5–1 सिली/लीटर) श्रिप्टम/एफिड्स: फ्लोनिकामिड 50% WG (0.5 ग्राम/लीटर) या फ्लुबंडियामाइड 8.33% + डेल्टामैश्निन 5.56% w/w SC (0.5 मिली/लीटर) छुट फ़्लाई: फरोमोन ट्रैप का प्रयोग करें। 1 मिली/लीटर दर से डेल्टामैश्निन का छिड़काव करें खेत में रोग और कीट नियंत्रण के संबंध में अधिक जानकारी के लिए अपने नजदीकी कृषि अधिकारियों में मलाह लें।										
14	फसल काटना	किस्म अनुसार कटाई का समय 90 से 100 दिनों के बीच होता है। मज़बूत, कसे हुए और सफेद हेड वाले फूलगोभी की कटाई करें। फूलगोभी के हेड को डीला नहीं होने दें। कटाई के दौरान, हेड के नीचे का डंठल कार्ट, या मोड़कर तोड़ दें।										
15	अनुमानित उपज	फसल की उपज किस्म पर आधारित होती है, शुरुआती मौसम की किस्मों में औसतन 3.5–5 टन/एकड़ उपज होती है, जबकि देर वाली किस्मों में आदर्श स्थिति में यह 10–12 टन/एकड़ तक हो सकती है।										
17	भंडारण	कटाई के बाद फूलगोभी को ठंडे और नम स्थान पर रखें, जहाँ सापेक्ष आर्द्रता 95–98% हो। भंडारण करने से पहले गोभी पर चोट या क्षति नहीं होने की जाँच करें।										
18	क्यान करें	हेहस की कटाई के समय ज्यादा पानी देने से बचें, अन्यथा हेड स्प्लिटिंग का खतरा रहता है। कटाई के करीब अतिरिक्त नाइट्रोजन न दें, यह एफिह्स के बढ़ने और गोभी के हेहस पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।										
19	क्या करें											

नोट	यह जानकारी सिर्फ़ सामान्य जानकारी के लिए है। विशेष क्षेत्र से जुड़ी अनुशंसाओं के लिए कृषया अपने संबंधित राज्य कृषि विभाग से संपर्क करें।
सावधानियौ	फसल वृद्धि और उपज पर अलग-अलग तत्वों का प्रभाव पड़ सकता है। अतः सलाह है कि सुझाव के लिए अपने नजदीकी कृषि अधिकारी से परामर्श करें। यह सुनिश्चित करें कि वेहतर गुणवत्ता के उर्वरक और कीटनाशक ही इस्तेमाल हों। बीज, उर्वरक और कीटनाशक की खरीद के विल अपने पास रखें।





अभिनंदना तुन्ही क्रिस्टल कुटुंबातील फुलकोबीच्या सर्वोत्तम वियाण्योपीकी एक वियाणे निवहले आहे. क्रिस्टलला उच्च दर्शने फुलकोबीचे वियाणे तयार करण्याचा अनुभव आहे. विविध कृषी हवामानासाठी योग्य उच्च-उत्पादन देणारी संकरित पिके विकासित करण्याच्या उद्देशाने केलेल्या आपक मेशोअनाचे परिणाम म्हणकेच हे वियाणे, शेतक,्यांना उच्च दर्शने वियाणे मिळावे यासाठी क्रिस्टल नेहमीच वियाणांच्या उत्पादना दरम्यान नवीनतम तंत्रज्ञानाचा अवलंब करते. क्रिस्टलच्या फुलकोबीच्या वियाणांमुळे, वैविक आणि अवैविक ताण सहन करण्याच्या शकीसह पिके जोमाने उत्पत्तात आणि वादतात. उत्कृष्ट उत्पादन मिळविच्यानाठी कृषया सर्वोत्तम श्रेती पदनीचा अवलंब करा. चाली सामान्य शिकारसी दिल्या आहेत, त्यामुळे कोणताही निर्णय पेण्यापूर्वी आस्ही तृम्हाला या शिकारसी वाचण्याची विनंती करतो.

फुलकोबी	हाइब्रिड.	हाइब्रिड. सेलेना,													
हायब्रीड कालावधी	मेपल, नायरा 85-95 दिवसानी														
खरीप रब्बी	मे-जून	जुलै - ऑगस्ट रब्बीच्या आधी	ļ	!											
वसंत ऋतू सिंचनाचा स्रोत	होय जमीन	जमीन	 	 											
वनु. क्र.	तपशील/कामन	गज/प्रत्यक्ष कृती			कार्याचे तपशील. प्रति एकर		नुसार पिकाची वाढ आणि पा	रपक्षता वगवगळा असू सक	d.						
1	क्षेत्राचीयोग्यत	ा/कृषी-हवामान क्षे	াস				णे फुलोरा तयार होण्यासाठी इ ादाराशी संपर्क साधणे अत्यंत		C असते. थोड्या जास्त तापमा	नासाठी योग्य असलेल्या जार्त	ो विकसित केल्या गेल्या आहेत				
2	जमीन/ माती				हलकी माती लवकर पिकांसा	ठी योग्य असते तर चिकणमा	ती ते चिकणमाती माती मध्य	भाणि उशिरा हंगामातील पिव	जंसाठी योग्य असते. मातीचा	इष्टतम मातीचा pH 5.5 ते 6	.0 असतो.				
3	हंगाम. पेरणी/ल	तागवडीची वेळ			भारतात अनेक ऋतूंमध्ये लाग उशिरा हंगामाच्या जाती.	रागवड केली जाते. में ते ऑगस्ट दरम्यान लागवड केलेल्या लवकर हंगामाच्या जाती, सप्टेंबर ते ऑक्टोबर दरम्यान मुख्य हंगामाच्या जाती आणि ऑक्टोबर ते डिसेंबर दरम्यान									
4	बियाण्याचा दर	:/एकर			120-160 ग्रॅम/एकर. बियाण	ग्राचा दर जातीवर अवलंबून ः	असतो								
5	मुख्य शेताची तयारी आणि लागवड अमिनीची खोलगट मशागत कराबी आणि शेणबत किंवा कंगोस्ट वापरावे. माती परीक्षणाच्या निकलानुसार दर 3 वर्षांनी विरविलेला चुना वापरण्याचा सल्ला दिला जातो. लागवडीच्या किमान 30 दिवस आशी चुना लावावा.														
6	अंतर (प्रत्येक वाण्यामध्ये x प्रत्येक रोगांदरम्यान): 60 मेमी x 30 नेमी														
7	शेणबत 10 टन, नत्र 80 कितो, P205 60 कितो आणि पालाश 20 कितो/हेक्टर. अर्धे नत्र आणि पूर्ण शेणबत, P205 आणि पालाश 20 हा मूलभूत डोस म्हणून द्यावे आणि उर्वरित अर्धे नत्र लावणीनंतर 30 सेंद्रिय पदार्थ आणि खते दिवसानी (माती भरताना) वर घालावे.														
8	पेरणीपूर्वी विद्याणांवर दक्षिया विद्याण्यांवर कॅप्टन 2 ग्रेम/किलो या प्रमाणात प्रक्रिया केली जाते.														
10	पेरणीपूर्वी विय	ाणे प्रक्रिया			लागवडीनंतर लगेचच, रोपे त	मेचच, रोपे तयार होईपर्यंत थोडेयोडे पाणी द्यावे आणि त्यानंतर आवश्यकतेनुसार पाणी द्यादे. जमिनीत पाण्याची उपलब्धता एकसारखी असावी.									
11	खुरपणी/ आंतर	मशागत			दोन हातांनी खुरपणी करणे ३	ग्रवश्यक आहे. शेत तणमुक्त ठे	वा. पेरणीनंतर 30 आणि 60 र्ग	देवसांनी माती भरणे.							
12	सूक्ष्म पोषक घर	टक/वाढ नियामक	फवारण्या		डोमराळ प्रदेशासाठी () बोरॉन 3000 ppm (3 ग्रेम/लिटर) रोप लावणीनंतर 30 दिवसांनी 650 लिटर स्थे द्वावणहेक्टर या प्रमाणात पानांवर फवारणी म्हणून करावी. (बोरॅक्समध्ये नवयुक्त बोरॉनचे प्रमाण 11.3% आणि बोरिक आम्त 17.5% असते.) (ii) शिष्ठारशीनुसार लागवडीनंतर 32.45 दिवसांनी व्यावसायिक मुश्स पोपकटव्य दोन भागोमध्ये वापरा.										
13	कीटक आणि रो	ग नियंत्रण			शेतातील किडे, कुरतडणारी व काळा कुजवा: लागवडीनंतर पाने खाणारी आळी: अबामेरि फुलकिडे / मावा: फ्लोनिकारि फळमाशी: फेरोमोन सापळे व	मळी, लाल मुंग्या आणि इतर स्ट्रेप्टोमायसिनच्या 100-200 स्टिन 1.8% EC (0.5 ते 1 मि के 50 % WG (0.5 ग्रॅम/लि ।ापरा डेल्टा मिश्रिन 1 मिली//	टर) किंवा फ्लुबेन्डियामाइड 8	ाइड 8.33% + डेल्टामेथ्रिन म/लिटर) माती भिजवा. .33 % + डेल्टामेथ्रिन 5.56							
14	कापणी				काढणीचा कालावधी जातीप्र वाकवून काढावा.	माणे 90 ते 100 दिवसांचा अ	सतो. काढणीसाठी घट्ट, दाट व	पांढऱ्या रंगाचे गाभे निवडावे	त. फुलोरा सैल होऊ देऊ नये	. काढणी करताना गाभ्याच्या	खालून देठ कापावा किंवा				
15	अपेक्षित उत्पन्न				उत्पादन हे जातीवर अवलंबून	। असते. सुरुवातीच्या हंगामा	नील जातीचे सरासरी उत्पादन	3.5 ते 5 टन असूशकते तर	उशिरा येणाऱ्या जातींसाठी अ	गदर्श परिस्थितीत ते प्रति एक	र 10-12 टनांपर्यंत बाढू शकते.				
17	साठवणूक				काढणीनंतर फुलकोबी 95 ते	98 टक्के सापेक्ष आर्द्रता असलेल	न्या थंड व दमट ठिकाणी साठव	ावा. साठवणीपूर्वी गाभ्यास	कोणतेही फूट किंवा नुकसान :	झालेले नसल्याची खात्री करार्व	ìì.				
18	करू नका				विशेषतः पिकलेल्या गाभ्यांन। परिणाम होऊ शकतो.	जास्त पाणी देऊ नये, कारण	त्यामुळे गाभा फुटण्याची शक	बता वाढते. काढणीच्या काळा	त नायट्रोजनचे प्रमाण जास्त	नसावे, कारण त्यामुळे मावा व	गढून फुलोऱ्यावर प्रतिकूल				
19	ब रा														
नोंद	वरीन माहिती मधून सामान्य सन्ते दिले आहेत. विशिष्ट प्रदेशाशी संबंधित विशिष्ट शिफारसींसाठी कृपया तुमच्या स्थानिक राज्य कृपी विभागाशी संपर्क साधा.														
घेण्याची काळजी		वर आणि उत्पन्नाव रेदी करताना विल		गटक परिणाम	ा करू शकतात. म्हणून, तुमच्या	स्थानिक कृषी अधिकाऱ्यांचा	सल्ला घेण्याची शिफारस केल	ो जाते. केवळ उच्च दर्जाची ख	ते आणि कीटकनाशके वापरल	ो जात आहेत याची खात्री कर	ा. वियाणे, खते आणि				





ಹೂಕೋಸು – ಕೃಷಿ ಪದ್ಧತಿಗಳು

ಅಭಿನಂದನೆಗಳು! ನೀವು ಕ್ರಿಸ್ನಲ್ ಕುಟುಂಬದ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಹೂಕೋಸು ಬೀಜಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದನ್ನು ಅರಿಸಿದ್ದೀನಿ, ಉತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ಹೂಕೋಸು ಬೀಜಗಳನ್ನು ಉತ್ಪಾದಿಸುವಲ್ಲಿ ಕ್ರಿಸ್ನಲ್ ಸಂಸ್ಥೆಯು ದೃಢವಾದ ಪರಿಣತಿಯನ್ನು ಹೊಂದಿದೆ. ಈ ಬೀಜಗಳು ವ್ಯಾಪಕವಾದ ಸಂಶೋಧನೆಯ ಫಲಿತಾಂಶವಾಗಿದ್ದು, ವಿವಿಧ ಕೃಷಿ ಹವಾಮಾನಗಳಿಗೆ ಸೂಕ್ತವಾದ ಪೆಚ್ಚಿನ ಇಳುವರಿ ನೀಡುವ ಹೈದ್ದಿಕ್ ಬೆಳಗಳನ್ನು ಅಭಿವೃತ್ತಿಸಿದೆ. ಹೊಂದಿನೆ ಒದಗಿನುತ್ತವೆ, ಮೊಳಕೆಯೊಡೆಯುವಿಕೆ ಮತ್ತು ಉತ್ತಮ ಚೈತ್ಯವನ್ನು ಜೈವಿಕ ಮತ್ತ ಅಜೈವಿಕ ಒತ್ತಡಗಳಿಗೆ ಸಹಿಷ್ಣುತೆಯೊಂದಿಗೆ ಒದಗಿನುತ್ತವೆ, ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಇಳುವರಿ ಪಡೆಯಲು ದಯವಿಟ್ಟು ಉತ್ತಮ ಕೃಷಿ ಪದ್ಧತಿಗಳನ್ನು ಅಭವಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ. ಈ ಕಳಗಿನ ಸಾಮಾನ್ಯ ಶಿಥಾರಸ್ಪುಗಳನ್ನು ಒದಗಿಸಲಾಗಿದೆ, ಆದ್ದರಿಂದ ಯಾವುದೇ ನಿರ್ಧಾರಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುವ ಮೊದಲು ಈ ಶಿಫಾರಸ್ಪುಗಳನ್ನು ಓದಲು ದಯವಿಟ್ಟು ಕೇಳಿಕೊಳ್ಳುತ್ತೇವೆ.

		I II							1	1	1					
ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಹೂಕೋಸು	ಹೈಬ್ರಿಡ್ . ಮೇಪಲ್ ,	ಹೈಬ್ರೀಡ್. ಸೆಲೆನ್ಕಾ														
ಹೂರೋಸು	ನಾಯರಾ	ಸೋಫಿಯಾ														
ಅವಧಿ	85-95 ದಿನಗಳು	95-105 ದಿನಗಳು														
ಮುಂಗಾರು ಹಿಂಗಾರು	ಮೇ-ಜೂನ್	ಜುಲೈ-ಆಗಸ್ಟ್ ಆರಂಭಿಕ ರಾಬಿ														
ವಸಂತ	ಹೌದು	COSQU OEM														
ನೀರಾವರಿ ಪದ್ಧತಿ	ನೆಲ	ನೆಲ														
	L	H. H.			ದಯ	ರಿಟ್ಟು ಗಮನಿಸಿ : ಹವಾಮಾನ	ಪರಿಸ್ಥಿತಿಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಬೆಳೆಯ ಚ	ನಿಳವಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಪಕ್ಕತೆ ವಿಭಾ	್ನವಾಗಿರಬಹುದು	н	н					
ಕ್ರಮ ಸಂಖ್ಯೆ.	ವಿವರಗಳು/ ಕಾಯಾ	<u>-ಚರಣೆಗಳು</u> /ಪದ್ಧತಿ)		ಕಾರ್ಯಾಚರಣೆಯ ವಿವರಗಳು	/ ಪ್ರತಿ ಎಕರೆಗೆ ಒಳಹರಿವು										
1	ಪೂಕೋಸಿಗೆ ತಂಪಾದ ತಾಪಮಾನದ ಅಗತ್ಯವಿದೆ, ಬೆಳವಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಮೊಗ್ಗು ರಚನೆಗೆ ಸೂಕ್ತ ವ್ಯಾಪ್ತಿ ಸರಿಸುಮಾರು 15-21°C ಆಗಿದೆ. ಸ್ವಲ್ಪ ಪಚ್ಚಿನ ತಾಪಮಾನಕ್ಕೆ ಸೂಕ್ತವಾದ ತಳಿಗಳನ್ನು ಅಭಿವೃದ್ಧಿಪಡಿಸಲಾಗಿದೆ, ಮತ್ತು ಅಯಾ ವಲಯಗಳಿಗೆ ತ ಸೂಕ್ತತೆಯನ್ನು ಪೂರೈಕೆದಾರರೊಂದಿಗೆ ಪರಿಶೀಲಿಸುವುದು ಬಹಳ ಮುಖ್ಯವಾಗಿದೆ.															
2	ಭೂಮಿ/ ಮಣ್ಣು ಅರಂಭಿಕ ಬೆಳೆಗಳಿಗೆ ಸೂಕ್ತವಾಗಿದೆ, ಆದರೆ ಲೋಮ್ ನಿಂದ ಜೇಡಿಮಣ್ಣು ಲೋಮ್ ಮಣ್ಣು ಮಧ್ಯ ಮತ್ತು ತಡ-ಋತುವಿನ ಬೆಳೆಗಳಿಗೆ ಸೂಕ್ತವಾಗಿದೆ. ಮಣ್ಣು ಸೂಕ್ತ ಮಣ್ಣಿನ pH 5.5 ರಿಂದ 6.0 ಆಗಿದೆ.															
3	ಯತ್ತು ಬಿತ್ತನೆ/ನಾಟಿ ಸಮಯ ಭಾರತದಲ್ಲಿ ಅನೇಕ ಋತುಗಳಲ್ಲಿ ಬೆಳೆಯಲಾಗುತ್ತದೆ. ಆರಂಭಿಕ-ಋತುವಿನ ತಳಿಗಳನ್ನು ಮೇ ನಿಂದ ಆಗಸ್ಟವರೆಗೆ ನೆಡಲಾಗುತ್ತದೆ, ಮುಖ್ಯ-ಋತುವಿನ ತಳಿಗಳನ್ನು ಸೆಪ್ಟೆಂಬರ್ ನಿಂದ ಅಕ್ಟೋಬರ್ವರೆಗೆ, ಮತ್ತು ತಡ-ಋತುವಿನ ತಳಿಗಳನ್ನು ಅಕ್ಟೋಬರ ನಿಂದ ಡಿಸೆಂಬರ್ವರೆಗೆ ನೆಡಲಾಗುತ್ತದೆ.															
4	ಬೀಜದ ಪ್ರಮಾಣ/ ಎಕರೆಗೆ 120-160 ಗ್ರಾಂ/ಎಕರೆ, ಬೀಜದ ಪ್ರಮಾಣವು ತಳಿಯನ್ನು ಅವಲಂಬಿಸಿರುತ್ತದೆ															
5	ಮುಖ್ಯ ಹೊಲವನ್ನು ತಯಾರು ಮಾಡುವುದು ಮತ್ತು ನಾಟ ಭೂಮಿಯನ್ನು ನುಣ್ಣಗೆ ಹದಗೊಳಿಸಿ, FYM ಅಥವಾ ಕಾಂಪೋಸ್ಟ್ ಅನ್ನು ಹಾಕಬೇಕು. ಮಣ್ಣಿನ ಪರೀಕ್ಷಾ ವರದಿಗನುಗುಣವಾಗಿ ಪ್ರತಿ 3 ವರ್ಷಗಳಿಗೊಮ್ಮೆ ಸುಣ್ಣ ಹಾಕುವುದು ಸೂಕ್ತ. ಸುಣ್ಣವನ್ನು ನಾಟಿ ಮಾಡುವ ಕನಿಷ್ಠ 30 ದಿನಗಳ ಮೊದಲು															
6	ಅಂತರ				(ಸಾಲಿನಿಂದ ಸಾಲಿಗೆ × ಗಿಡದಿಂದ	ಗಡಕ್ಕೆ): 60 ಸೆಂ.ಮೀ.×30 ಸ	ಸೆಂ.ಮೀ									
7	ಗೊಬ್ಬರ ಮತ್ತು ರಸ	ಗೊಬ್ಬರಗಳು			ಹಸವಿನ ಗೊಬ್ಬರ @ 10 ಟನ್, ಸಾರಜನಕ 80 ಕೆಜಿ, ರಂಜಕ 60 ಕೆಜಿ ಮತ್ತು ಪೊಟ್ಟಾಶ್ 20 ಕೆಜಿ/ಪಕ್ಟೇರ್. N ಅರ್ಧದಷ್ಟು ಪ್ರಮಾಣ ಮತ್ತು FYM, P2O5 ಮತ್ತು K2O ನ ಸಂಪೂರ್ಣ ಪ್ರಮಾಣವನ್ನು ಆರಂಭಿಕ ಡೋಸ್ ಆಗಿ ಹಾಕಿ, ಉಳಿದ ಅರ್ಥದಷ್ಟು ಸಾರಜನಕವನ್ನು ನಾಟ ಮಾಡಿದ 30 ದಿನಗಳ ನಂತರ (ಮಣ್ಣು ವಿರಿಸುವ ಸಮಯದಲ್ಲಿ) ಮೇಲುಗೊಬ್ಬರವಾಗಿ ನೀಡಬೇಕು.											
8	ಬಿತ್ತನೆಯ ಮೊದಲು	ಬೀಜ ಸಂಸ್ಕರಣೆ			ಬೀಜವನ್ನು ಕ್ಯಾಪ್ಪಾನ್ 2 g/l	g ನೊಂದಿಗೆ ಸಂಸ್ಕರಿಸಲಾಗುತ್ತ	ದೆ									
10	ನೀರಾವರಿ ವೇಳಾಪಟ	ω'			ನಾಟಿ ಮಾಡಿದ ತಕ್ಷಣ ಹಗುರವ	ಗಿ ನೀರು ಹಾಯಿಸಬೇಕು, ಮತ	್ತು ಸಸಿಗಳು ನೆಲೆಯೂರುವವರೆಗೆ	ಇದನ್ನು ಮುಂದುವರೆಸಬೇಕು ಹ	ಾಗೂ ನಂತರ ಅಗತ್ಯವಿದ್ದಾಗಲೇ	ಲ್ಲ ನೀರಾವರಿ ಒದಗಿಸಬೇಕು. ಮ	ಂಣ್ಣಿನಲ್ಲಿ ನೀರಿನ ಲಭ್ಯತೆ ಏಕರು	ಾಪವಾಗಿರಬೇಕು.				
11	ಕಳೆ ತೆಗೆಯುವುದು/ ಅ	ಉತರ ಬೇಸಾಯ			ಎರಡು ಬಾರಿ ಕೈಯಿಂದ ಕಳೆ ತೇ	ಯುವುದು ಅಗತ್ಯವಿದೆ. ಹೊಲ	ಗಳನ್ನು ಕಳೆ ರಹಿತವಾಗಿರಿಸಿ. ಬಿತ್ತ	ನೆಯ 30 ಮತ್ತು 60 ದಿನಗಳ :	ನಂತರ ಮಣ್ಣು ಹಾಕುವುದು.							
12	ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಪೋಷಕಾಂಶ	ಗಳು/ಬೆಳವಣಿಗೆ ನಿಯ	ಂತ್ರಕ ಸಿಂಪ	ಪಡಣೆಗಳು -			ರ ಪ್ರತಿ ಹೆಕ್ಟೇರ್ಗೆ 650 ಲೀಟರ (ii) ವಾಣಿಜ್ಯ ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಪೋಷಕಾಂ					ಕ್ಸ್ನಲ್ಲಿ ಬೋರಾನ್ ಅಂಶ				
13	ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ	ನಿಯಂತ್ರಣ			ಫ್ಲಬೆಂಡಿಯಾಮೈಡ್ 8.33 9 ಕಪ್ಪು ಕೊಳೆ ರೋಗ ನಿಯಂತ್ರಣ ಎಲೆ ತಿನ್ನುವ ಕೀಟ; ಅಬಾಮಕ್ಕಿ ಎಲೆ ತಿಗಣೆ/ಗಿಡಹೇನುಗಳು; ಫೊ ಹಣ್ಣಿನ ನೊಣ; ಫೆರೋಮೋನ	6 + ಡಲ್ಬಾಮಥ್ರಿನ್ 5.56 % ಕ್ಕೆ: ನಾಟಿ ಮಾಡಿದ ನಂತರ 10 ನ್ 1.8% EC (0.5 ರಿಂದ 1 ್ಷೇನಿಕಮಿಡ್ 50% WG (0.5 ' ಬಲೆಗಳನ್ನು ಬಳಸಿ, ಡೆಲ್ಟಾಮೆ	5 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್) ಅಥವಾ ಫ್ಲುಬೆ	0.5 ಮಿ.ಲೀ.) ಅನ್ನು ಬೆಳಕುಪ ಗೆ (0.1-0.2 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್) ಂಡಿಯಮೈಡ್ 8.33% + ಡೆಲ	್ತಟೆ, ಕಟ್ಐರ್ಮ್, ಕೆಂಪು ಇರುವ ಸ್ಟ್ರೆಪ್ಟೋಮೈಸಿನ್ನಿಂದ ಮಣ್ಣಣ ್ಟಾಮಥ್ರಿನ್ 5.56% w/w SC	ನ್ನು ನೆನೆಸಿ.	with howes					
14	ಕೊಯ್ಲು				ಕೊಯ್ಲಿನ ಸಮಯವು ತಳಿಗೆ ಅ ಕೆಳಗಿರುವ ಕಾಂಡವನ್ನು ಕತ್ತರಿಸಿ		ವಿನಗಳಲ್ಲಿ ವ್ಯತ್ಯಾಸಗೊಳ್ಳುತ್ತದೆ ರಿದು ತೆಗೆಯಿರಿ.	. ಗಟ್ಟಿ, ಸಾಂದ್ರ ಮತ್ತು ಬಿಳಿಯ	ಏ ತಲೆಗಳನ್ನು ಕೊಯ್ಲು ಮಾಡಿ.	. ದಯವಿಟ್ಟು ಕಡು ಸಡಿಲವಾಗ	ಲು ಬಿಡಬೇಡಿ. ಕೊಯ್ಲು ಮಾಡ	ುವಾಗ, ದಯವಿಟ್ಟು ತಲೆಯ				
15	ನಿರೀಕ್ಷಿತ ಇಳುವರಿ				ಇಳುವರಿಯು ತಳಿಯನ್ನು ಅವೕ	ಂಬಿಸಿರುತ್ತದೆ. ಆದರ್ಶ ಪರಿಸ್ಥಿತಿ	ತಿಗಳಲ್ಲಿ, ಆರಂಭಿಕ ಋತುವಿನ ತ	ಳಿಯ ಸರಾಸರಿ ಇಳುವರಿ ಎಕರೆಗೆ	3.5 ರಿಂದ 5 ಟನ್ಗಳು ಇರಬಹ	ಕುದು, ಆದರೆ ತಡವಾದ ತಳಿಗಳಿಗೆ	1 ಇದು 10-12 ಟನ್ಗಳವರೆಗೆ ತ	ಕೋಗಬಹುದು.				
17	ಶೇಖರಣೆ ಕೊಯ್ಲಿನ ನಂತರ, ಹೂಕೋಸನ್ನು ಶೇ. 95-98 ರಷ್ಟು ಸಾವೇಕ್ಷ ಆರರ್ಧತೆ ಇರುವ ತಂಪಾದ, ತೇವಾಂಶವಳ್ಳ ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ ಸಂಗ್ರಹಿಸಬೇಕು. ಸಂಗ್ರಹಣೆಯ ಮೊದಲು ಕಡುಗಳು ಗಾಯ ಅಥವಾ ಹಾನಿಯಿಂದ ಮುಕ್ತವಾಗಿರುವುದನ್ನು ಖಚಿತಪಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ.											ಖಚಿತಪಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ.				
18	ಆತಿಯಾಗಿ ಗೀರು ಹಾಯಿಸಬೇಡಿ, ವಿಶೇಷವಾಗಿ ಕ್ಯಾಬೇಜ್ ತಲೆಯು ಪಕ್ತವಾಗುವ ಪಂತದಲ್ಲಿ ಏಕೆಂದರೆ ಇದು ತಲೆ ಬಿರುಕು ಬಿಡಲು ಕಾರಣವಾಗಬಹುದು, ಕೊಯ್ಲಿನ ಪತ್ತಿರದಲ್ಲಿ ಅಧಿಕ ಸಾರಜನಕ ನೀಡುವುದು ಕಣ್ಣಾಯವಾಗಿ ಬೇಡ, ಏಕೆಂದರೆ ಇದು ಹೇನುಗಳ ಹೆಚ್ಚಳಕ್ಕೆ ಕಾರಣವಾಗಬಹುದು ಮತ್ತು ಕಡಿನ ಗುಣಮಟ್ಟದ ಮೇಲೆ ಪರಣಾಮ ಬೀರುತ್ತದೆ															
19	ಮಾಡಬೇಕಾದವು															
ಸೂಚನೆ	ಮೇಲಿನ ಮಾಹಿತಿಯ	ು ಸಾಮಾನ್ಯ ಸಲಹೆಯ	ಬಾಗಿದೆ. ನಿರ	ರ್ಗಷ್ಟ ಪ್ರದೆ	ೇಶಕ್ಕೆ ಸಂಬಂಧಿಸಿದ ವಿಶೇಷ ಶಿಫ	ರಸ್ಸುಗಳಿಗಾಗಿ, ದಯವಿಟ್ಟು ಕಿ	ಗಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ರಾಜ್ಯ ಕೃಷಿ ಇಲ	ಸಾಖೆಯನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ.								
ಎಚ್ಚ-೦ಕೆಗಳು					ಭಾವಿತವಾಗಬಹುದು. ಆದ್ದರಿಂದ ಬಿಲ್ಗಳನ್ನು ಉಳಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ.	, ಸಲಹೆಗಾಗಿ ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ	ಕೃಷಿ ಅಧಿಕಾರಿಯನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸ	(ಲು ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಲಾಗುತ್ತದ	ೆ. ಉತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ರಸಗೆ	ಬ್ಬರಗಳು ಮತ್ತು ಕೀಟನಾಶಕಗ	ಗಳನ್ನು ಮಾತ್ರ ಬಳಸಲಾಗಿದೆ ಎಂ	ದು ಖಚಿತಪಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ .				





కాలీఫ్లవర్ లో- పాటించాల్సిన ఆచరణల పాకేజి

కే రాక్టువులు! (క్రోల్ కుటుంబము యొక్క అత్యంత ఉత్తమమైన కాల్గిప్పర్ ఎత్తినాల్లో ఒకదానిని మీదు ఎంచుకున్నారు. ఉత్తమ ఎందు తెల్లువర్ విత్తనాలను ఉత్పత్తి చేయడములో (క్రోల్ కి చాలా అనుభవము వుంది. ఈ విత్తనాలు విస్తారముగా చేసిన పరిశోదన యొక్క ఫలితము, నీటిని వివిధ వ్యవసాయ వాతావరణాలకి అనుకూలముగా అధిక-దిగుబడి ఇవ్వడమనే ఉద్దేశ్యముతో రూపొందించడము జరిగినది. రైతులకు అత్యధిక నాణ్యత కలిగిన విత్తనాలను అందించడానికి విత్తనాలను ఉత్పత్తి చేసే సమయములో (క్రోఫ్ అత్యాధునిక టెక్కాలజీలను పాటిస్తుంది. (క్రిఫ్లల్ కాలీఫ్రవర్ విత్తనాలు బయోటిక్ ఓ ఏబయోటిక పత్తిడికి తట్టుకునే సామర్థ్యముతో అద్పుతమైన మొంకత్తే తత్వాలను ఓ మెరుగైన బలమును కలిగివుంటాయి. అద్పుతమైన దిగుబడి కొరకు దయచేసి ఉత్తమమైన వ్యవసాయ ఆచరణలను పాయించండి. (కింద సాధారణ సూచనలు ఇవ్వబడ్తాయి, కాబట్టి ఏవైనా నిర్ణయాలు తీసుకునే ముందు ఈ సూచనలను చదవాలని మేము మిములి) అభుత్^{సు}నానము.

	ని మేము మిమ్మల్ని అభ్యర్థిస్తున్నాము.	లను వాయించండి. (కింద్ నాధాంణ సూచనలు ఇవ్వబళ్ళాయి, కాబట్టి ఎవైనా నిర్ణియాలు ఆసుకునే ముందు ఈ									
హైబ్రిడ్ కాలీఫ్లవర్	మైపాల్ , సెలెనా , నయారా సోఫియా										
ాలము పరిమితి	85-95 DAS 95-105 DAS	···· <mark> </mark>									
ාර්ඛ්	మే-జూన్ జులై-ఆగస్ట్										
బీ సంత కాలము	రబీలో తొందరగా										
ంటి పారుదల వనరు మారుదల వనరు	అవును [గౌండ్ [గౌండ్										
		రణ పరిస్థితుల ఆధారముగా పంట ఎదుగుదల ఓ పక్వము కాలము మారవచ్చు									
<u>క్ర</u> . సం.	వివరాలు/ఆపరేషన్లు/ఆచరణలు	ఆపరేషన్ వివరాలు. ఎకరానికి ఇన్పుట్									
1	పొంతము యొక్క అనుకూలత/వ్యవసాయ- వాతావరణ జోన్	కాలిపైవర్ కి చల్లని ఉడ్డోగ్రతలు కావాలి, దీనికి దాదాపుగా 15- 21°C సరైన (శేణి ఉడ్డోగ్రత ఎదుగుదలకి మరియు కర్తి ఏర్పడడానికి అవసరము అవుతాయి. అదిక ఉళ్ళోగ్రతలకి పనికి వచ్చే వంగడాలు రూపొందించవచ్చు, మరియు మీక వంగడాలు సరఫరా చేసే వ్యక్తితో సంబంధిత జోస్ల ఆధారముగా వంగడాల అనుకూలతను చెక్ చేసుకోండి.									
2	భూమి/మట్టి	తొందరగా పంటను వేస్తే తెలికగా వుండే మట్టి నెలలు, సీజన్ మధ్యలో మరియు ఆలస్యముగా పంటను వేస్తే లోమీ నుంచి బంక మట్టి నేలలు సరిపోతాయి. మట్టి మట్టికి సరిపడిన pH 5.5 నుంచి 6.0 వుండాలి.									
3	కాలము. విత్తో/నాటే సమయము	భారతదేశములో వివిధ సీజన్లలో దీనిని పండిస్తారు. సీజనులో-తొందరగా నాటే వంగడాలను మే నుంచి ఆగస్ట్ లో, పద్గాన-సీజన్ వంగడాలను సెఫ్టెంబర్ నుంచి అక్టోబర్ లో, మరియు సీజనులో-ఆలస్యముగా నాటే వంగడాలను అక్టోబర్ నుంచి డిసెంబర్ లో నాటుతారు.									
4	ఎకరానికి/విత్తనము రేట్	120-160 గ్రాములు/ఎకరానికి. వంగడము మీద విత్తనము రేట్ ఆధారపడి వుంటుంది									
5	ప్రధానమైన పొలముని తయారు చేయడము మరియు నాటడము	పొలముని మంచి నాణ్యత కలిగిన దాని లాగా తయారు చేయాలి మరియు దానికి ఎప్పైనుం లేదా కాంపాస్ట్ అప్డై చేయాలి. మట్టి యొక్క టెస్ట్ ఫలితాల ఆధారముగా దానికి [పతి 3 సంవత్సరాలకి తడి సున్నము అప్లై చేయాలని సూచించడము జరిగినది. నాటడానికి కనీసము 30 రోజుల ముందు తడి సున్నముని అప్లై చేయాలి.									
6	ఖాళీ ఇవ్వడము	(రో నుంచి రో x మొక్క నుంచి మొక్క): 60 cm x 30 cm									
7	ఎరువులు మరియు ఫర్జిలైజర్లు	ఎప్పైవెం (FYM) @ 10 టన్నులు, N 80 కిలోలు, P205 60 కిలోలు మరియు K20 కిలోలు/ హెక్టార్. N లో సఖము మరియు ఎఫ్పైవెం (FYM), P205 మరియు K20 యొక్క పూర్తి డోసులను బేసల్ డోస్ గా అప్లై చేయాలి మరియు మిగిలిన సఖము N ని టాప్ (డెస్సింగ్ గా నాటిన 30 రోజుల తరవాత (మొక్కల దగ్గర మట్టిని ఎత్తు చేసే సమయములో) వేయాలి.									
8	విత్తే ముందు విత్తనముని శుద్ధి చేయడము	 విత్తనాలను కిలో/2 గ్రాముల కాప్తాన్ తో శుద్ధి చేయాలి									
10	నీటి పారుదల షెడ్యూల్	మొక్కలను మళ్ళే నాటిన తరవాత, తెలికిగా నీటిని పెట్టాలి మరియు మొలకలు తట్టుకుని నిలబడే వరకూ ఇది కొనసాగించాలి మరియు ఎప్పుడు అవసరము అయితే అప్పుడు తదనుసారముగా నీటిని పెట్టాలి. మట్టిలో నీటి లభ్య సమానముగా వృండాలి.									
11	కలుపు మోక్కలు తీయడము/అంతర్గత కల్టివేషన్	చేతితో కలుపు మొక్కలను రెండు దఫాలుగా తొలగించాలి. ఫ్లాట్లను కలుపు మొక్కలు లేకుండా వుంచండి. వీత్తిన 30 మరియు 60 రోజుల తరవాత మొక్కల మొదళ్ళలోని మళ్లిని ఎత్తు చేయండి.									
12	సూక్ష్మహేషకము/ఎదుగుదల రెగ్యులేటర్ (స్పేలు	కొండ జోన్ లో (i) 3000 ppm (3[గ్రాములు/లీటరు) లెక్క బోరాన్ అప్లై చేయండి ఇది మొక్కలను మళ్ళీ నాటిన తరవాం 30 రోజులకి ఆకుల మీద పిచికారీ చేయాలి @ 650 లీటర్ల పిచికారీ (దావకము/ హెక్టారు (ఎన్. బి. (N. B.) బోరాన్ అంటే బోరాక్స్ 11.3% మరియు బోరిక్ యాగీవి 17.5%) (ii) ఇచ్చిన సూచనల ప్రకారము మొక్కలను మళ్ళీ నాటిన తరవాత 32.45 రోజులకి కమర్షియల్ సూక్ష్మపోషకాల ఫార్ములేషనుని రెండు దఫాలుగా అప్లై చేయాలి.									
13	చీడ మరియు తెగులు కంట్రోల్	గొంగళి పురుగులు మరియు ఆకులను తీనే ఇతర పురుగులు: ఎమామెక్షిన్ బెస్ట్ యేట్ 5% SG (0.5 [గాములు/లీటరు) పిచికారీ చేయండి పొలములో -క్రకెట్ పురుగులు, కత్తెర పురుగులు, ఎ1ర్ చీమలు మరియు ఇతర మెట్లి కీటకాలు: ఫ్లూబెఫ్టియామైడ్ 8.33 % +డెల్గామెట్లన్ 5.56 % w/w SC (0.5 ml/లీటరు) అప్లే చేయండి నల్ల కుళ్ళు తెగులు: మొక్కలను మెళ్ళి నాటిన తరవాత [ఫెళ్లోమైసిన్ 100-200 ppm [దావకము (0.1-0.2 [గాములు/లీటరు) తో మెట్టిని [తెంచ్ చేయండి. ఆకు తొలుచు పురుగు: అబామెక్టిన్ 1.8% EC (లీటరుకి 0.5 నుంచి 1 ml), తామర పురుగులు/ పేను బంక: ఫ్లోనికామిడ్ 50 % WG (0.5 [గాములు/లీటరు) లేదా ఫ్లాబెస్తియామైడ్ 8.33 % + డెల్గామెట్లిన్ 5.56 % w/w SC (0.5 ml/ లీటరు) పండు ఈగ: ఫెరమోన్ [టాష్టను ఉపయోగించండి. డెల్గా మిట్లన్ లీటరు/1ml పాలములో తెగులు & చీడల కం[టోలు మీద అదనపు సమాచారము కొరకు, దయచేసి మీ ఫానిక వ్యవసాయ ఆఫీసర.									
14	కోత	వంగడము రకముని బట్లి 90-100 రోజుల మధ్యలో కోత సమయము వుంటుంది. గట్లిగా, కంపాక్ట్ గా మరియు తెల్లని తలలను కోత కోయండి. కర్ట్ లూజుగా మారకుండా దయచేసి చూసుకోండి. కోత కోసే సమయములో, దయచేసి తల క్రింద కాడను కట్ చేయండి, లేదా దానిని వంచి తలను విరవండి.									
15	පිටිට ධර්ධ සිරිය ස	వంగడము మీద ఆధారపడి దిగుబడి వుంటుంది, సీజనులో తొందరగా వేసే వంగడాలకి 3.5 నుంచి 5 టన్నుల సగటు దిగుబడి, ఆలస్యముగా వేసే వంగడాలకు 10-12 టన్నులు ఎకరానికి దిగుబడి వుండవచ్చు, సరైన పరిస్థితుల్లో.									
17	త్లోర్ చేయడము 	కోత తరవాత, కాలీఫ్లవర్ ని చల్లని, తేమ ప్రదేశములో 95-98% రిలేటివ్ తేమలో స్టోర్ చేయాలి. స్టోర్ చేసే ముందు కర్తులు పాడ్రెపోవడము లేదా దెబ్బతినడము లేకుండా వృన్నాయని ధృవీకరించుకోండి.									
18	చేయకూడనివి	తలలు పక్కముకి వెచ్చే సమయములో ముఖ్యముగా, అధికముగా నీరు పెట్టకండి, ఇది తల భాగము చీలిపోయేలా చేయవచ్చు. కోత సమయము దగ్గీరలో వున్నప్పుడు అధికముగా న(తజని ఇవ్వకండి, ఇది పేను బంక ఆశించేలా చేసి కాలీఫ్లవర్ కర్మలు చీలిపోయేలా చేస్తుంది									
19	చేయవలసినవి										
మనిక	శాఖను సంప్రదించండి.	ు మాత్రమే. ప్రత్యేక (పాంతాలకి సంబంధించిన ప్రత్యేకమైన సూచనల కొరకు, దయచేసి మీ రా[స్ట్ స్థానిక వ్యవసాయ									
శాగ్రత్తలు		ాల వలన [ప్రభావితము అవుతుంది. కాబట్టి, మీ స్థానిక వ్యవసాయ అధికారిని సలహా కొరకు సంప్రదించాలని కలిగిన ఫర్జిలైజర్లు మరియు కీటకనాశనులు మాత్రమే ఉపయోగించబడ్డాయని ధృవీకరించుకోండి. విత్తనాలు, ఫర్జిలైజర్లు ధ్ధ వుంచుకోండి.									





অভিনন্দন! আপুনি ক্ৰিষ্টেল পৰিয়ালৰ এটা উ-কৃষ্ট ফুলকবিৰ বীজ বাচি লৈছে। উচ্চ মানৰ ফুলকবি বীজ উংপাদনত ক্ৰিষ্টেলৰ দৃঢ় অভিজ্ঞতা আছে। এই বীজবোৰ হৈছে বিস্তৃত গৱেষণাৰ ফলাফল, যাৰ লক্ষ্য হৈছে বিভিন্ন কৃষি জলবায়ুৰ বাবে উপযুক্ত উচ্চ-উ-পাদনশীল হাইবিড শস্য বিকাশ কৰা। বীজ উ-পাদনৰ সময়ত ক্ৰিষ্টেলে শেহতীয়া প্ৰযুক্তি গ্ৰহণ কৰে যাতে কৃষকসকলে সৰ্বোচ্চ মানৰ বীজ লাভ কৰে। ক্ৰিষ্টেলৰ ফুলকবিৰ বীজবোৰে জৈৱিক আৰু অজ্যৈৰ কি চাপৰ প্ৰতি সহনশীলতাৰ সৈতে উ-কৃষ্ট অঙ্কুৰিতকৰণ আৰু উন্নত শক্তি প্ৰদান কৰে। অনুপ্ৰহ কৰি উ-কৃষ্ট কৃষি পদ্ধতি গ্ৰহণ কৰি উ-কৃষ্ট উৎপাদন লাভ কৰক। তলত দিয়া সাধাৰণ পৰামৰ্শসমূহ প্ৰদান কৰা হৈছে, গতিকে আমি আপোনাক অনুৰোধ কৰোঁ যে আপুনি কোনো সিদ্ধান্ত লোৱাৰ আগতে এই পৰামৰ্শসমূহ পঢ়ক।

হাইব্রিড	হাইব্রিড. মেপল,	হাইব্রিড. সেলেনা,										
ফুলকবি	নাযৰা	সোফিযা										
সময়কাল খাৰিফ	85-95 DAS মে'- জুন	95-105 DAS জুলাই - আগষ্ট										
ৰাবি বসন্ত	হয়	আগতীয়া ৰবি	ļ									
জলসিঞ্চনৰ	ভূমি	ভূমি										
ক্রমিক					অনুগ্ৰহ কৰি মন কৰিব যে বতৰ অনুসৰি শস্যৰ বৃদ্ধি আৰু পৰিপক্কতা ডিন্ন হ'ব পাৰে। ॥							
নম্বৰ	সবিশেষ/কার্য্য	্য/অনুশীলন			কাৰ্যৰ বিৱৰণ, প্ৰতি একৰ ইনপুট							
1	অঞ্চলটোৰ উপ	যোগীতা/ কৃষি জলব	ায়ু অঞ্চল	Ī	ফুলকবিৰ বাবে শীতল তাপমাত্ৰাৰ প্ৰয়োজন, বৃদ্ধি আৰু কুঁহিয়াৰৰ গঠনৰ বাবে সৰ্বোন্তম পৰিসৰ হৈছে প্ৰায় 15-21°C। সামান্য উচ্চ তাপমাত্ৰাৰ বাবে উপযুক্ত জাতৰ উদ্ভাৱন কৰা হৈছে আৰু সংশ্লিষ্ট অঞ্চলসমূহৰ বাবে এই জাতৰ উপযুক্ততা সম্পৰ্কে যোগানকাৰীৰ সৈতে পৰীক্ষা কৰাটো গুৰুত্বপূৰ্ণ।							
2	ভূমি/ মাটি				হালধীয়া মাটি প্ৰাৰম্ভিক শস্যৰ বাবে উপযোগী যদিও, মাটি-মৃত্তিকাৰ মাটি মধ্যম আৰু পৰৱৰ্তী ঋতুৰ শস্যৰ বাবে উপযুক্ত। মাটি উংকৃষ্ট মাটিৰ pH 5.5ৰ পৰা 6.0 হয়।							
3	ঋতু বীজ সিঁচাৰ	/পলোৱাৰ সময়			ভাৰতৰ বিভিন্ন ঋতুত ইয়াৰ খেতি কৰা হয়। মে'ৰ পৰা আগষ্টলৈ প্ৰাৰম্ভিক ঋতুৰ জাত, ছেপ্টেম্বৰৰ পৰা অক্টোবৰলৈ মূল ঋতুৰ জাত আৰু অক্টোবৰৰ পৰা ডিচেম্বৰলৈ পৰৱৰ্তী ঋতুৰ জাত ৰোপণ কৰা হয়।							
4	বীজৰ হাৰ/ এক	ৰ			120-160গ্ৰাম/ একৰ বীজৰ যৰ জাতৰ ওপৰত নিৰ্ভৰ কৰে							
5	মূল পথাৰৰ প্ৰস্তু	মাটি ভালকৈ খান্দি খান্দি FYM বা কম্পোষ্ট প্ৰয়োগ কৰিব লাগে। মাটিৰ পৰীক্ষাৰ ফলাফল অনুসৰি প্ৰতি ৩ বছৰৰ মূৰে মূৰে প্লেকড লাইম প্ৰয়োগ কৰ বীজ ৰোপণৰ অন্তত: 30 দিন আগতে কল প্ৰয়োগ কৰিব লাগে।										
6	ব্যৱধান				(শাৰীৰ পৰা শাৰীলৈ x গছৰ পৰা গছলৈ): 60ছেঃমিঃ x 30 ছেঃমিঃ							
7	সাৰ আৰু সাৰুৱ	রা পদার্থ			-YM @ 10 টন, N 80 কেন্ডি, P205 60 কেন্ডি আৰু K20 কেন্ডি/হেক্টৰ। N ৰ আধা আৰু FYM, P205 আৰু K20 ৰ সম্পূৰ্ণ ডজ বেছাল হিচাপে প্ৰয়োগ কৰা উটি আৰু N ৰ বাকী আধা ৰোপণৰ পিছত ৩০ দিনত শীৰ্ষ কাপোৰ পিন্ধিব লাগে (পৃথিবী স্থাপন কৰাৰ সময়ত) ।							
8	বীজ সিঁচাৰ আগ	গতে বীজৰ শোধনীক	ৰণ		বীজক কেপ্টান 2 গ্ৰাম/কেজিৰ দ্বাৰা শোধন কৰা হয়।							
10	জলসিঞ্চনৰ সম	ায়সূচী			ৰোপণৰ লগে লগে হালধীয়া পানী দিয়া উচিত আৰু বীজ সিঁচি খোৱা পৰ্যন্ত অব্যাহত ৰখা উচিত আৰু প্ৰয়োজন সাপেকে পৰৱৰ্তী জলসিঞ্চন দিয়া উচিত। মাটিত পানীৰ উপলব্ধতা সমান হ'ব লাগে।							
11	অপতৃণ/ আন্তঃ	খেতি			দুখন হাতৰ গছ কাটিব লাগে। খেতিপথাৰবোৰ ঘাঁহবিহীন কৰি ৰাখক। বীজ সিঁচাৰ পিছত 30 আৰু 60 দিনত মাটি লগোৱা।							
12	ক্ষুদ্ৰ পুষ্টি/বৃদ্ধি বি	নিয়ন্ত্রক স্প্রে			পাযৰীয়া অঞ্চলৰ বাবে (i) ৰোপণ কৰাৰ 30 দিনৰ পিছত ব'ৰন 3000 ppm (3গ্ৰাম/লিট) পত্ৰ স্প্ৰে ইচাপে প্ৰয়োগ কৰিব লাগে @ 650 লিটাৰ স্প্ৰে মৱ/ছেক্টৰ। বৰাক্সত ব'ৰনৰ পৰিমাণ 11.3% আৰু বৰিক এচিড 17.5%।) (ii)প্ৰতিৰোপণৰ 32-45 দিনৰ পিছত পৰামৰ্শ অনুসৰি বাণিজ্যিক অণুপুষ্টিকৰ প্ৰস্তুতি দুটা বিভাজি প্ৰয়োগ কৰিব লাগে।							
13	কীট-পতংগ আ	ৰু ৰোগ নিয়ন্ত্ৰণ			কটাৰপিলাৰ আৰু অন্যান্য পাত খোৱা প্ৰাণী: স্প্ৰে এমামেক্টিন বেঞ্জোয়েট 5% SC (0.5 প্ৰাম/লিটাৰ) ফিল্ড-ক্ৰিকেট, কাটবৰ্ম, বণ্ডা পিপৰা আৰু অন্যান্য মাটিৰ পোক-পৰুৱা: ফুলুবেনডিয়ামাইড ৪.33 % + ডেলটামেন্ত্ৰিন 5.56 % w/w SC (0.5 মিলি/লিটাৰ) প্ৰয়োগ কবিব লাগে। ব্ৰেক ৰটঃ সংৰোপণৰ পিছত 100-200 ppm (0.1-0.2 প্ৰাম/লিটাৰ) ষ্ট্ৰেপ্টমাইটিনৰ দ্ৰৱণেৰে মাটি শুকান কৰক। পাতৰ খনিছা: এবামেক্টিন 1.8% EC(0.5ৰ পৰা । মিলি/লিটাৰ) প্ৰিপছ/এফিডছ: ফ্লোনিকামাইড 50 % WG (0.5 প্ৰাম/লিটাৰ) বা ফুলুবেপ্ডাইডামাইড ৪.33 % + ডেল্টামেন্ত্ৰিন 5.56 % w/w SC (0.5 মিলি/লিটাৰ) ফুলৰ মাহি: ফেৰ'মন ফান্দ ব্যৱহাৰ কৰক। ডেল্টা মিন্ত্ৰিন 1 মিলি/লিটাৰ পুণাৰত ৰোগ নিয়ন্ত্ৰণ আৰু ৰোগৰ বিষয়ে অধিক তথ্যৰ বাবে অনুগ্ৰহ কৰি আপোনাৰ স্থানীয় কৃষি বিষয়াৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক।							
14	শস্য চপোৱা				শস্য চপোৱাৰ সময়টো বিভিন্ন জাতৰ সৈতে 90-100 দিনৰ ভিতৰত পৃথক হ'ব। চপোৱা মূৰ যিবোৰৰ পৰা, কমপেন্ধ আৰু বগা। অনুগ্ৰহ কৰি দৈ চিলা হ'বলৈ নিদিব। শস্য চপোৱাৰ সময়ত, অনুগ্ৰহ কৰি মূৰৰ ভলৰ ভালটো কাটি দিয়ক, বা যদি ভাঙি যায় তেন্তে ভাঙি দিয়ক।							
15	প্রত্যাশিত উংপা	দন			প্ৰাৰম্ভিক ঋতুৰ জাতৰ গড় উৎপাদন 3.5 ৰ পৰা 5 টন হ'ব পাৰে, আনহাতে পৰৱৰ্তী ঋতুৰ জাতৰ ক্ষেত্ৰত ই একৰ প্ৰতি 10-12 টন পৰ্যন্ত হ'ব পাৰে।							
17	সংৰক্ষণ				শস্য চপোৱাৰ পিছত কলিফ্ল'ৰ'ক 95-98% আপেক্ষিক আৰ্দ্ৰতা থকা শীতল আৰু সেমেকা ঠাইত সংৰক্ষণ কৰিব লাগে। সংৰক্ষণৰ আগতে নিশ্চিত কৰক যে কেচুৱাত কোনো আঘাত বা ক্ষতি হোৱা নাই।							
18	নকৰিবা				বিশেষকৈ পৰিপক্কতাৰ সময়ত মূৰবোৰক অধিক পানী নিদিব, কিয়নো ইয়াৰ ফলত মূৰ বিভাজন হ'ব পাৰে। শস্য চপোৱাৰ সময়ত অতিৰিক্ত নাইট্ৰ'জেনৰ ব্যৱহাৰ কঠোৰভাৱে নিষেধ, কিয়নো ই এফাইডৰ সৃষ্টি কৰিব পাৰে আৰু কলা দাইলৰ ওপৰত প্ৰভাৱ পেলাব পাৰে							
19	কৰিবা											
টোকা	ওপৰৰ তথ্যসমূ	হ সাধাৰণ পৰামৰ্শৰ	বাবেহে দি	নয়া হৈছে	। য়। বিশেষ অঞ্চলৰ সৈতে সম্পৰ্কিত বিশেষ পৰামৰ্শৰ বাবে, অনুগ্ৰহ কৰি আপোনাৰ স্থানীয় ৰাজ্যিক কৃষি বিভাগৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক।							
সাৱধানতা		ছ উংপাদন বিভিন্ন ক সাৰ আৰু কীটনাশব			াত হ'ব পাৰে। সেয়েহে, পৰামৰ্শৰ বাবে আপোনাৰ স্থানীয় কৃষি বিষয়াৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক। নিশ্চিত কৰক যে কেৱল উচ্চ মানৰ সাৰ আৰু কীটনাশক ব্যৱহাৰ বিলবোৰ ৰাথক।							





ফলকপি - চাষের নিয়মাবলি

অভিনন্দন। আপনি ক্রিস্টাল পরিবারের অন্যতম উৎকৃষ্ট ফুলকপির বীজগুলি নির্বাচন করেছেন। উচ্চমানের ফুলকপি বীজগুলি উৎপাদনে ক্রিস্টালের নির্বরযোগ্য অভিজ্ঞতা আছে। এই বীজগুলি ব্যাপক গবেষণার ফলাফল, যার উদ্দেশ্য বিভিন্ন কৃষি জলবায়ুর উপযোগী, উচ্চফলনশীল হাইরিড ফসলের উন্নয়ন। কৃষকের। যাতে সর্বোচ্চ মানের বীজগুলি পান তা নিন্দিত করতে উৎপাদনের সময় ক্রিস্টাল সর্বাধুনিক প্রযুক্তিগুলি গ্রহণ করে। ক্রিস্টালের ফুলকপি বীজগুলি জীবজ এবং অজীবজু প্রতিকৃত্যকার প্রতি সহনশীলতা সহ উক্কৃষ্ট অঙ্কুত্রনাদাম এবং শক্তিশালী উদ্ভিদের বিকাশ প্রদান করে।

					াজীবজ প্রতিকূলতার ৪ গ্রহণ করুন। নিচে কি					নেওয়ার আগে পরামশ	গুলি পড়ুন।		
হাইব্রিড ফুলকপি	হাইব্রিড. মেপল, নাযরা	হাইব্রিড. সেলেনা, সোফিযা											
সময়সীমা খরিফ	85-95 DAS মে-জুন	95-105 DAS জুলাই-আগষ্ট	3					-					
রবি বসস্ত	হাঁ	দ্রুত রবি	ļ	ļ									
সেচের উৎস	মাঠ	মাঠ	অনু;	গ্রহ করে	 মনে রাখবেন যে আ	বহাওয়ার পরিস্থিতি	 অনুযায়ী ফসলের নি	॥ বৈকাশ ও পক্কতা আস	 নার সময় ভিন্ন হতে প	ারে			
ক্রমিক নম্বর	বিস্তারিত/	। অপারেশন/	পদ্ধতি		প্রতি একর ইনপুটে	অপারেশনের বিশদ							
1	এলাকার উ	পযোগিতা/ কৃ	ষি-জলবা	য়ু জোন						য়া প্রয়োজন। সামান্য বে হকারীর সঙ্গে পরামর্শ ব			
2	জমি/ মাটি	:			হালকা মাটি আগাম ফ মাটির pH 5.5 থেকে		, দোআঁশ থেকে ভারী	দোআঁশ মাটি মাঝামাৰ্	ঝি ও দেরিতে ফলনশীল	া ফসলের জন্য উপযোগ	গী। মাটি উপযুক্ত		
3	ঋতু। বপন	/রোপণের সম	য়ে			মে চাষ করা যায়। আ াবর থেকে ডিসেম্বর প		থেকে আগস্ট পর্যন্ত,	মূল মরশুমের জাত সো	প্টম্বর থেকে অক্টোবর	পর্যন্ত, এবং দেরি		
4	বীজের হার/ একর 120-160গ্রাম/ একর। বীজের মান জাতের উপর নির্ভর করে												
5	মাটি ভালোভাবে চাষযোগ্য মৃদু তৈলময় করে প্রস্তুত করতে হবে এবং FYM অখবা কম্পোস্ট প্রয়োগ করতে হবে। মাটি পরীক্ষার ফলাফলের অনুযায়ী প্রতি ও বছরে একবার স্লেকড লাইম প্রয়োগ করা উচিং। র োপণরেকমপক্ষ 20 দিন আগে চুন প্রয়োগ করা উচিং।												
6	ফাঁক (সারি থেকে সারি x উদ্ভিদ থেকে উদ্ভিদ): 60 সেন্টিমিটার x 30 সেন্টিমিটার												
7	জৈব এবং	রাসায়নিক সাঃ	ส						ং FYM, P205 এবং K2 পরের সার হিসেবে দিওে	0 এর সম্পূর্ণ ডোজ বেস্ চ হবে।	নাল সার হিসাবে		
8	বপনের অ	াগে বীজের পা	রিচর্যা		বীজ কাপটান 2 গ্ৰাম/	কেজি সহ প্রক্রিয়াজা	ত করা হয়						
10	সেচের সম	ায়সূচী				র হালকা জল দেওয়া াহ সমানভাবে বজায়		হঙয়া পর্যন্ত এটি অব্যা	হত রাখা উচিং পরবর্তীয়ে	ত প্রয়োজনে সেচ দেওয়	য়া যেতে পারে।		
11	আগাছা নি	বারণ/ মধ্যশস	্য পরিচর্যা	i	দুই হাত দিয়ে আগাছা	নিবারণ করা প্রয়োজ	ন। প্লটগুলি আগাছামু	ক্ত রাখুন। বপনের 30	এবং 60 দিন পর মাটি ত্	চূলুন।			
12	ক্ষুদ্রপুষ্টি/বি	কাশ নিয়ন্ত্রক	ছিটান		সলিউশন/হেক্টর। (N.		পরিমাণ 11.3% এবং			ণ প্রয়োগ করুন @ 650 32-45 দিন পরে পরামণ			
13	কীট এবং (রাগ নিয়ন্ত্রণ			ফিল্ড-ক্রিকেট, কাটও কালো দাগ রোগ: প্রতি লিফ মাইনার: আবামে প্রিপস/এফিডস: ফ্লো ফলের মাছি: ফেরোমে	য়ার্ম, লাল পিঁপড়ে এব চন্থাপণের পরে মাটিডে টক্টিন 1.8% EC (0.5) নকামিড 50 % WG (মান ট্র্যাপ ব্যবহার কর	ে অন্যান্য মাটির কীট চ স্ট্রেপ্টোমাইসিন 100 থেকে 1 মিলিলিটার/লি 0.5 গ্রাম/লিটার) অথব হন। ডেল্টা মেঞ্জিন 1মি	: ফ্লুবেনডিয়ামাইড । 0-200 পিপিএম সলিউ টার), বা ফ্লুবেনডিয়ামাইড । নিলিটার/লিটার	শন (0.1-0.2গ্রাম/লিটাঃ	5.56 % w/w SC (0.5 ব) দিয়ে ড্ৰেঞ্চ কৰুন। 5.56 % w/w SC (0.5			
14	ফসল কাট	Т							মাথা যখন শক্ত, সঘন কান্ড ভেঙে ফেলার জ	এবং সাদা হয়। অনুগ্রহ ন্য বাঁকিয়ে দিন।	করে কার্ড ঢিলা হতে		
15	প্রত্যাশিত য	ফলন				র উপর নির্ভর করে, ড থকর পর্যন্ত যেতে পারে		াগাম জাতের গড় ফল	ন 3.5 থেকে 5 টন হতে	পারে, আর দেরিতে ফ	লনশীল জাতের জন্য		
17	সংরক্ষণ				ফসল কাটার পরে, ফু যে কার্ড কোনো আঘা			ণ করা উচিং, ষেখানে	আর্দ্রতার মাত্রা 95-98%	, থাকে। সংরক্ষণ করার	আগে নিশ্চিত করুন		
18	করবেন না	1						, কারণ এতে বাঁধাকপি IIরে এবং কার্ডে প্রভাব		রে। ফসল কাটার সময়	অতিরিক্ত নাইট্রোজেন		
19) করবেন												
দ্রস্টব্য	উপরের ত	থ্যটি একটি সা	ধোরণ পর	য়মৰ্শ। নি	র্দিষ্ট এলাকার জন্য বিশে	ষ সুপারিশের জন্য, ড	মনুগ্রহ করে স্থানীয় রা	জ্য কৃষি দপ্তরের সঙ্গে	যোগাযোগ করুন।				
সতর্কতা					নর দ্বারা প্রভাবিত হতে যবহার করা হচ্ছে। বীজ				সঙ্গে যোগাযোগ করা	সুপারিশ করা হচ্ছে। নি	শ্চিত করুন যে		



ସଂରକ୍ଷଣ

କରନ୍ତୁ ନାହିଁ

19 କରନ୍ତୁ

18



ଫୁଲକୋବି -ଅଭ୍ୟାସର ପ୍ୟାକେଜ

ଅଙ୍କରୀକରଣ	ଏବଂ ଉତ୍ତମ ଶକ୍ତ ପ୍ରଦାନ କରେ	N .				
ରଚିଳଷ ଅମନ	ଳ ମାଲବା ମାଇଁ ବୟାକରି ସବେ	୍ୱାଇମ ଜକ୍ଷି ମହର୍ଦ୍ଦି ଗହଣ ଜରନ୍ତ । ନିପଲିଖ	ର ମାଧାରଣ ମମାରିଶଗଜିକ ମତାନ କରାଯାଇଛି	ଦେଶ କୌଣସି ନିଷରି ନେତା ମର୍ଚର ଏହି ସା	ମାରିଶଗଦିକ ମଢି ନେତାଳ ଆମେ ଆମଣଙ୍କ ଅନରୋଧ କରଛ ।	

ध्वं बीद्धं प्राप्ती .	ପାଇଟା ପାଇ ବ୍ୟ	भावता हात्रवाहरी ह	श्रम सक्रह	जिस्सा स्थार्	। ନିପ୍ନଲିଖିତ ସାଧାରଣ ସୂପ	व्यवर्षितंत्र, तितास, सुश्	ജ്യമുള്ള, ഒട്ടെട്ട് ഒട്ട	ଜାସ ନଥିବା ନେକ	। र्सम्भै तह सैमाशुश्	किंबी हाले श्रद्धा	ଣି ସାହା ସାମଣ୍ଡଣି	ପନ୍ଧିନ୍ୟାମ ଅଧିକ୍ରି		
ଫୁଲକୋବି ହାଇକ୍ରିଡ୍	Hyb. ମେପଲ୍, ନାୟରା	нуь. ସେଲିନା, ସୋଫିଆ												
ર્ય	85-95 DAS	95-105 DAS												
ໂຕ້	ମେ- ଜୁନ୍	ଜୁଲାଇ - ଅଗଷ୍ଟ ପାରଣିକ ରବି												!
ান্ <u>ত</u>	ହୁଁ	t-=		- -										
ସେଚନର ତ	ଭୂମି	ଭୂମି												
go asemi	ବିବରଣୀ / କା	ର୍ମ୍ୟ / ଅଇ୍ୟାମ			ବୟାକର ଶାନ କାର୍ଯ୍ୟର ବିବରଣୀ। ପର୍ତି	ଦିଅନ୍ତୁ ଯେ ପାଣିପାଗ । ଏହର ଇନ୍ମମ୍ମ	ପରସ୍ଥତ ଅନୁସାତେ	। ଫସଲର ବୃଦ୍ଧ ଏ	ୀବଂ ପରପକ୍ଷତା ଭନ୍ନ (ହୋଇପାରେ ।				
1		ନବାୟୁ କ୍ଷେତ୍ରର ଭଟ	ଯୁକ୍ତତା		ଫୁଲରୋବିକୁ ଥିଲା ଗମମାଗ୍ରାର ଆବଳ୍ପକ ବୃଣ୍ଣ କୃଷ୍ଣି ଏବଂ ଫୁଲ ଭାଗ (କର୍ଗ) ଉଚନ ପାଇଁ ଉଦୌଜନ ଗମମାଗୁ ପ୍ରାୟ 15-21°C ହୋଇଥିବା ଆବଶ୍ୟକ। ସାମାନ୍ୟ ଅଧିକ ଗମମାଗୁ ପାଇଁ ଉପଯୁକ୍ତ ବିସମଗୁଡିକ ବିକଶିତ କରାଯାଇଛି, ଏବଂ ଅମ୍ପଳ ଅଞ୍ଚଳ ପାଇଁ ବିସମର ଉପଯୁକ୍ତ। ବିଷୟରେ ଯୋଗାଣକାରୀଙ୍କ ସହିତ ଯାଞ୍ଚ କରିବା ଗୁଲୁକସୂର୍ଣ୍ଣ ଅଟେ।									
2														
3	ଭାତୁ ବୁଖିବା/ରୋପଣ ସମୟ ଭାତତରେ ବିଜିନ୍ନ ଉତ୍କର ତାଷ କରାଯାଏ । ପ୍ରାରଣକ ରତୁ ବିସମଗୁଡ଼ିକ ମେ ରୁ ଅଗଷ, ମୁଖ୍ୟ ରତୁ ବିସମଗୁଡ଼ିକ ସେଫ୍ସେୟର ରୁ ଅଞ୍ଚେକର ଏବଂ ବିଳସ୍ପିତ ଉତ୍କର ବିସମଗୁଡ଼ିକ ଅଞ୍ଚେକର ରୁ ବିସେମ୍ଭ ପ କୁଖାଯାଏ।												। ରୁ ଡିସେମ୍ବର ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ	
4	ବିହନ ହାର / '	ବିହନ ହାର / ଏକର												
5	ମୁଖ୍ୟ କ୍ଷେତ ପ୍ର	ଞ୍ଛୃତି ଏବଂ ରୋପଣ			ଜମିକୁ ସୃକ୍ଷ୍ମ ଭାବରେ ଢଳା ଲଗାଇବାର ଅତି କମରେ				୩ଷ୍ଟ ପ୍ରୟୋଗ କରିବା ଡ	ାଚିତ । ମୃଭିକା ପ	ରୀକ୍ଷା ଫଳାଫଳ ଅନ୍ମ	ସାରେ ପ୍ରତି 3 ବର୍ଷ	ର୍ଣରେ ଥରେ ଚୁନ	ପ୍ରୟୋଗ କରିବା ଉଟିତ।
6	ବ୍ୟବଧାନ				(ଧାତିରୁ ଧାତି x ଗଛରୁ ଗ	ଛ): 60 ସେ.ମି x 30 ହେ	ସ.ମି							
7	ଖତ ଏବଂ ସାର				ଏଫ.ୱାଇ.ଏମ୍ @ 10 ଟନ୍ ପ୍ରୟୋଗ କରାଯିବା ଭଚିତ	, ନାଇତ୍ରୋଜେନ (N) ୫ ଏବଂ ବାକି ଅଧା ନାଇନ	30 କିଗ୍ରା, ପି(P2O5) ଟ୍ରୋଜେନ୍ ଲଗାଇବା	60 କିଗ୍ରା ଏବଂ ହେ ର 30 ଦିନ ପରେ ।	ନ (K) 20 କିଗ୍ରା/ହେଲ୍ବର (ମାଟି ପକାଇବା ସମୟର	ର । ଅଧା ନାଇଟ୍ରେ ରେ) ଉପରେ ପକ	ାଜେନ୍ ଏବଂ ପୂର୍ଣ୍ଣ ମ ।ଯିବା ଉଚିତ।	ାତ୍ରା ଏଫୱାଇଏମ୍,	ପି (P2O5) ଏହ	° କେ(K) ମୂଳ ସାର ଭାବ
8	ବୁଣିବା ପୂର୍ବରୁ ବି	ହିନ୍ଦନ ଉପଚାର			ବିହନକୁ କ୍ୟାପାଟାନ୍ 2 ଗ୍ର	ମ/କି.ଗ୍ରା. ସହିତ ବିଶୋ	ାଧନ କରାଯାଏ ।							
10	ଜଳସେଚନ ସହ	ମୟସୂଚୀ			ଚାରା ଲଗାଇବା ପରେ ତୁ ସମାନ ହେବା ଉଚିତ ।	ରନ୍ତ ହାଲୁକା ପାଣି ଦେବ	ବା ଭଟିତ ଏବଂ ଚାର	। ଗଢ଼ିବା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଜ	ନ୍ଧାରି ରଖିବା ଉଚିତ ଏବଂ	ଆବଶ୍ୟକ ହେତ	ଲ ପରବର୍ତ୍ତୀ ସମୟ	ରେ ଜଳସେଚନ କ	ରାଯିବା ଭଟିତ।	ମାଟିରେ ଜଳର ଉପଲବ୍ଧତ
11	ଘାସ ବାଛିବା/ଶ	ଅନ୍ତଃଚାଷ			ଦୁଇଥର ହାତରେ ଘାସ ବାଛିବା ଆବଶ୍ୟକ । ଜମିକୁ ଘାସ ମୁକ୍ତ ଉଖନ୍ତୁ । ବୁଶିବାର 30 ଏବଂ 60 ଦିନ ପରେ ମାଟି ଭଠାଇବା ଦରକାର ।									
12	ସ୍ୟୁ ପୋଷକ ଚ	ବ୍ୱେ/ବୃଦ୍ଧି ନିୟାମକ	ସିଞ୍ଚନ		ପାହାଡିଆ ଅଞ୍ଚଳ ପାଇଁ (i ବୋରିକ୍ ଏସିଡ୍ ଥାଏ।) (i								: ବୋରାକ୍ସରେ 1	1.3% ବୋରନ୍ ଏବଂ 17.
13	କୀଟପଡଙ୍ଗ ଏବ	r° ରୋଗ ଜିୟକୁଣ			କୀଟପଡଙ୍ଗ ଏବଂ ଅନ୍ୟାର କ୍ଷେତରେ ଥିବା କୀଟପଡ କଳା ପଡା: ପ୍ରତିରୋପଣ ଓ ପତ୍ର ଖନନକାରୀ: ଆବାଣ ଥିବୁ/ଏଫିକ୍ଟ ଫ୍ଲୋନିକାମି। ଫଳ ମାଛି: ଫେରୋମୋଣ	r, କଡ଼ି ୱର୍ମ, ଲାଲ ପିମ୍ପୁ ପରେ ମାଟିକୁ 100-200 ମହ୍ଜିନ୍ 1.8% ଇସି (EC) ଡ଼ 50% ଡବ୍ଲୁୟଜି (WC ଫାଶ ବ୍ୟବହାର କରନ୍	ତି ଏବଂ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ୧ : ପିପିଏମ୍ ତ୍ରବଣ (0.:) (0.5 ରୁ 1 ମିଲି/ଲି G) (0.5 ଗ୍ରାମ/ଲିଟା ରୁ। ତେଲ୍ଡ ମିଥୁନ୍ 1	୩ଟି କୀଟପତଙ୍ଗ: ୧ 1-0.2 ଗ୍ରାମ/ଲିଟର ।ଟର), ର) କିମ୍ବା ଫ୍ଲୁବେଶ ମିଲି/ଲିଟର	ଫ୍ଲିକେଷାମିତ୍ 8.33% ର) ଷ୍ଟ୍ରେପ୍ଟୋମାଇସିନ୍ ସୀ ୟାମିତ୍ 8.33% + ତେଲ୍	+ ତେଲ୍ଟାମେଥିନ୍ ହିତ ସିଞ୍ଚନ କରନ୍ତୁ ।ମେଥିନ୍ 5.56%	5.56% ତବ୍ଲୃ୳/ତ । ତବ୍ଲୁ୳/ତବ୍ଲୃ୳ ଏ	ମସିସି (w/w SC)		, ,-
14	ଅମଳ				ଫସଲର ଅମଳ ସମୟ କି ହେବାକୁ ଦିଅନ୍ତୁ ନାହିଁ। ଅଣ୍	ସମ ଉପରେ ନିର୍ଭର କ ୀଳ କରିବା ସମୟରେ,	୪ରି 90-100 ଦିନ ମ ଫସଲ ମୁଷ୍ଡ ଚଳର	ଧ୍ୟରେ ଭିଜ୍ନ ଭିଜ୍ନ ଟ ଡାଳିକୁ କାଟିଦିଅ,	ହାଇପାରେ। ଫସଲର କିମ୍ଲା ଭାଙ୍ଗିବା ପାଇଁ ଏହ	ମୁଣ୍ଡ ଯାହା ରୁଚିନ୍ଦ୍ ହାକୁ ବଳା କରା	୍ଲିଭ, ଘନ ଏବଂ ଧଳ	। ହୋଇଥିବ, କାଟି	ନିଅନ୍ତୁ। ବୟାକ	ରି ଫୁଲ ଅଂଶ (କର୍ଡ୍) ହିନ
15	ଆଶାକରାଯାଇ	ି ବେମକୁ ଦିଅନ୍ତୁ ରାହିଁ। ଅମନ କରିବା ସମୟରେ, ଫସଇ ମୁଣ ତଳର କାଳିକୁ କାଚିବିଅ, ବିମ୍ବ ଭାଦିବୀ ପାଇଁ ଏହାକୁ ବଦା କରି। । ଅମନ ପ୍ରକାଟର ଉତ୍ତର ବିଜର କରେ। ପ୍ରାରମିକ ରତୁ ପ୍ରକାଟର ହାରାହାରି ଅମନ 3.5 ତୁ 5 ଟଟ୍ ହୋଇପାରେ, ସେତେବେଳେ ବିଜମ ବିସମ ପାଇଁ ଏହା ଆବର୍ଷ ପରିଞ୍ଜିତିରେ ଏହା ଏକର ପ୍ରଟି 10-12 ଟଟ୍ ପର୍ଯ୍ୟକ୍ତ ବେହାରଣ												

॥ ଉପରୋଜ ସୂଚନା ଏକ ସାଧାରଣ ପରାମର୍ଶ ଅଟେ। ନିର୍ଦ୍ଧିକ ଅଞ୍ଚର ନିର୍ଦ୍ଧିକ ସୁସାରିଶ ପାଇଁ, ବୟାକରି ଆପଣକ ୟାଟୀୟ ରାଜ୍ୟ କୃଷି ବିଭାଶ ସହିତ ଯୋଗଯୋଗ କରନ୍ତୁ। ଫସାରର ବୃଦ୍ଧି ଏବଂ ଅମନ ବିଭିନ୍ନ ହାରଣ ହାରା ପ୍ରଭାବିତ ହୋଇପାରେ। ତେଣୁ, ପରାମର୍ଶ ପାଇଁ ଆପଶକ ୟାଟୀୟ କୃଷ୍ଟି ଅଧିକାରୀଙ୍କ ସହିତ ପରାମର୍ଶ କରିସାକୁ ସୁସାରିଶ କରାଯାଉଛି। ନିଷ୍ଟିତ କରନ୍ତୁ ଯେ କେବଳ ଭଳମାନର ସାର ଏବଂ କୀତନାଶକ ବ୍ୟବହାର କରାଯାଉଛି ବିଜନ, ସାର ଏବଂ କୀତନାଶକ ଜ୍ରୟ କରିବାର ଉଦିବ ଆପଣକ ପାଖରେ କଶନ୍ତୁ।

ଅଗଳ ପରେ, ଫୁଲକୋବିକୁ ୫୫୬୫% ଆପେଛିକ ଆହିତା ସହିତ ଏକ ଅଣା, ଆହି ଛାତରେ ସଂରକ୍ଷଣ କରିବା କଚିତ। ସଂରକ୍ଷଣ କରିବା ପୂର୍ବରୁ ଚିଷ୍ଟିତ କରତୁ ସେ ଫୁଲ ଅଂଶ (କହି) ସୁହିକ ଚୋଟ ବିସା ଛଚିତୁ ମୁକ ଅଛି।

ଅଧୂକ ପାଣି ଦେବାରୁ ତିବ୍ରକ ରୁବରୁ, ବିଶେଷକରି ପରିପକ୍ତମ ସମୟରେ, କାରଣ ଏହା ହାରା ଫସଲର ମୁଣ ଫାଟିଯାଇପାରେ। ଅମଳ ସମୟରେ ଅଧୂକ ନାରଗ୍ରୋଜେନ୍ ପ୍ରୟୋଗ ସମ୍ପୂର୍ଣ ନିଷେଧ ଅଟେ କାରଣ ଏହା ଏଫଟ୍ ସୃଷ୍ଟି କରିପାରେ ଏବଂ ଫୁଲ ଅଂଶ (ବର୍ଜ) ପ୍ରଭାବିତ କରିପାରେ।





காளிடபினவர் வழிக்கள் இரும்பத்தில் இருந்து மிகச் சிறந்த காளிடபினவர் விறிகுக்கு அருக்கான வழிகாட்டுதல்கள் மற்றும் தொழில்நுட்பங்கள் முத்தும் கையில், அதிக மக்குல் தரும் கலப்பு பயிர்களை உருவாக்குவதற்கான பரத்த ஆராப்ச்சியின் வினைவு ஆகம் கிரில்டல், பிவசாயிகள் மிக உபர் தரமான விதைகளைப் பெறுவதை உறுதி செய்வதற்காக விதை தயாரிப்பின் போது நணி தெறில்லுட்பங்களைப் எய்பித்துகிறது. கிரில்டலின் களிட்பிகள்றின் தகன் உயிரி சாரா கழல்களில் தாக்கு பெடிக்கும் கைவில் மிகச்சியுக்கும் அனைத்தல் உலனே கொண்டவை சிறந்த மகதலைப் பேற, சிறந்த விவசாய தடைமுறைகளை மேற்கோள்ளுங்கள். பின்வரும் போதுவான பரித்துரைகள் வழங்கப்பட்டுள்ளது. எனவே, சிக்கும் முடிவுகளை மேற்கொள்ளும் முன் இந்தப் பரித்துரைகளைப் படிக்குமாறு கேட்டுக்கொள்கிறோம்.

கலப்பு 	Hyb. மேப்பிள்,	Hyb. செலினா, சோ∴பியா											
காளி∴பிளவர் 	நைரா	Ganzolon	ļ										
காலம்	85-95 நாட்கள்	95-105 நாட்கள் ஜுலை -	 	 	<u> </u>								
காரீப்	மே- ஜூன்	ஆகஸ்ட் முன் ராபி	ļ	 	 								
ராபி		காலம்	ļ	ļ									
வசந்த காலம்	ஆம்		ļ	ļ					<u> </u>	ļ			
பாசன ஆதாரம்	நிலம்	நிலம்				O				14			
வ.எண்.	விவரங்கள் / (செயல்பாடுகள் /	செய்முன		பானிலை துழல்களைப் செயல்முறைக்கான		கருக்கான உர உள்ளீ(கவனத்தால் எகாள்ளு	IDONI			
1	பொருந்துகின்ற மண்டலம்	ı பரப்பளவு/ விவ <u>க</u>	சாய-காலந்	ളിങ്ങல							சாதகமான வரம்பு ஆகும். சிறிது அதிக தியாளரிடம் கேட்டு அறிவது மிகவும் முக்கி		
2	நிலம்/ மண்				தொடக்க பயிர்களுக்கு மணலான மண் பொருத்தும். அதேநேரம் பின் பருவப் பயிர்களுக்கு பசளை முதல் களிமண் போன்ற பசளை மண் ஏற்றது. மண் சாதகமான மண்ணின் pH 55 முதல் 60 ஆகும்.								
3	பருவம். விதை	த்தல்நாற்று நடுவ	வதற்கான	ஸ்ட் வரையும், முதன்	மை-பருவ வகைகள் கெ	ப்டம்பர் முதல் அக்டோபர் வரையும், மற்றும்							
4	விதை விதம் ஏக்கர்												
5	பிரதான நிலம் தயாரிப்பு	மற்றும் நாற்று ந	டுவதற்கா	теят							ன முடிவைப் பொறுத்து ஒவ்வொரு з சுண்ணாம்பு போடப்பட வேண்டும்.		
6	இடைவெளி				(வரிசை முதல் வரிசை வரை x தாவரம் முதல் தாவரம் வரை; 80 செமீ x 30 செமீ								
7	எருக்கள் மற்று	ம் உரங்கள்									ாழு உரம் FYM, P205 and K20 முழு அளவுகள் எணைக் குவிக்கும்போது).		
8	விதைப்பதற்கு	முன்பான விதை	தயாரிப்பு	ı	கிலோகிராமுக்கு 2 கிர	ாம் வீதம் விதைகளை	ள காப்டான் உடன் கல	க்க வேண்டும்					
10	பாசன அட்டவ	ഞ്ഞ			பதியம் போட்ட உடனே, ஒரு லேசாக நீர் பாய்ச்ச வேண்டும் மற்றும் நாற்றுகள் வளரும் வரை இதை தொடர வேண்டும். மேலும், தேவைப்படும் போதெல்ல்லாம் தொடர் பாசனம் செய்யப்பட வேண்டும். மண்ணில் நீர் இருப்பு சமமாக இருக்க வேண்டும்.								
11	களை அகற்றுத	தல்/ ஊடு பயிரிடு	தல்		இரண்டு கைகளால் களைகள் பறிக்கப்பட வேண்டும். நிலத்தில் களைகள் இல்லாமல் வைத்திடுங்கள். விதைத்த 10 மற்றும் 10 நாட்களுக்குப் பிறகு மண்ணைக் குவித்திடுங்கள்.								
12	நுண் ஊட்டச்சத் தெளிப்புகள்	ந்து/வளர்ச்சியை 🤄	ஒழுங்குப(டுத்தும்	மலை பகுதிக்கு டு பதியம் போட்ட பின் ஹெக்டேருக்கு ၉650 லிட்டர் தெளிப்பு கரைசல் என 300 பிபிஎம் லிட்டருக்கு 3 கிராம்) போரானன இலை தெளிப்பாக போட வேண்டும் (போரக்ஸ் உள்ள N. B. போரான் அளவு 11.3% மற்றும் போரிக் அமிலம் 17.5%, ஆகும்) டு பரிந்துரையின் படி, பதியம் போட்ட பின் 32.45 நாட்களில் இரண்டு பகுதிகளாக வணிக நுண்ணூட்ட தயாரிப்பைப் போட வேண்டும்.								
13	பூச்சி மற்றும் (நோய் கட்டுப்பாடு			நிலத்தில் உள்ள-சில்வ 0.5 மிலி) போட வேண் கருப்பு அழுகல் நோய் இலை துளைப்பான்: அ இலைப்பேன்கள் / செய் (லிட்டருக்கு 0.5 மிலி) பழ ஈ: பெரோமோன் ப	ண்டு, வெட்டுப்புழு, சி (டும். : பதியம் போட்ட பின் அபாமெக்டின் 1.8% இசி சப்பேன்கள் : ∴ப்ளோவ சுராப்களைப் பயன்படு	ī 100-200 பிபிஎம் (ppm) (Î (EC) (லிட்டருக்கு 0.5 (ம் பிற மண்ணில் உள் லிட்டருக்கு 0.1-0.2 கிராம நதல் 1 மிலி), (WG) (லிட்டருக்கு 0.5 ம ந்ரின் லிட்டருக்கு 1 மி	ள பூச்சிகள்: ∴ப்ளுபென் b) ஸ்ட்ரெப்டோமைசில் கிராம்) அல்லது ∴ப்ளுவெ	டிபாமைடு 8.33 % + பெ ா கரைசலை மண்ணில் பென்டிபாமைடு 8.33 % -	_ல்டாமெத்ரின் 5.56 % w/w எஸ்சி (SC) (லிட்ட(i		
14	அறுவடை						அறுவடை காலம் மாற ர் போது, தலைப்பகுதிக்				தலைப்பகுதிகளை அறுவடை செய்யுங்கள். டுங்கள்.		
15	எதிர்பார்க்கப்படு	ும் மகதல்			மக்கூல் என்பது வகை 10-12 டன் மக்கூலை அ		து, முன் பருவ வகை 3.	முதல் 5 டன் சராசரி	மக்கூலைத் தரலாம். 2	அதேநேரம், சாதகமான	நிலைகளில், பின் பருவ வகைகள் ஒரு ஏக்க		
17	சேமிப்பகம்				அறுவடைக்குப் பின், காளி:பிளவரை ஒரு குளிர்ந்த, ஈரமான லகு, ஒப்பீட்டு ஈரப்பதம் கொண்ட இடத்தில் சேமித்து வைக்க வேண்டும். சேமிப்பதற்கு முன், பூக்கள் காயங்கள் அல்லது சேதம் இல்லாமல் இருப்பதை உறுதி செய்யுங்கள்.								
18	செய்யக்கூடாத	ൈ					டள்ளது என்பதால், குறி போடக்கூடாது. ஏனென்				_mb. அறுவடை நெருங்கும் சமயத்தில் டலாம்.		
19	செய்ய வேண்ட	புயவை				•		'					
குறிப்பு	மேற்கண்ட தக	வல் ஒரு பொதுவ	யான அறி	வுறுத்தல்	. குறிப்பிட்ட பகுதிக்கால	எ தனிப்பட்ட பரிந்துன	nரகளுக்கு, <mark>உங்களது</mark> ம	ாநிலத்தில் இருக்கும் உ	டள்ளுர் விவசாயத் துன	றையைத் தொடர்பு கொ	ள்ளுங்கள்.		
முன்னெச்சரிக்கை நடவடிக்கைகள்					கதல் பாதிக்கப்படலாம். சய்யுங்கள். விதைகள், ர					பரிந்துரைக்கப்படுகிறது	. உயர் தர உரங்கள் மற்றும் பூச்சிக்கொல்லிக		



ਾਈਬ੍ਰਡ ਫੁੱਲ ਗੋਭੀ ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ ਸੇਲੇਨਾ'



ਫੁੱਲ ਗੋਭੀ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ ਦਾ ਤਰੀਕਾ

ਦਾਈਆਂ ਹੋਣ! ਤੁਸੀਂ ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਪਰਿਵਾਰ ਵਿੱਚੋਂ ਵੁੱਲ ਗੱਭੀ ਦੇ ਬੀਜਾ ਦੀਆਂ ਸਭ ਤੇ ਵਧੀਆ ਕਿਸਮਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਇੱਕ ਕਿਸਮ ਚੁਣੀ ਹੈ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਕੰਪਨੀ ਕੋਲ ਉੱਚ ਕੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੇ ਵੁੱਲ ਗੱਭੀ ਦੇ ਬੀਜ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਦਾ ਭਰਪੂਰ ਤਜਰਬਾ ਹੈ। ਇਹ ਬੀਜ ਵੱਖਵੱਖ ਵਧ ਰਹੇ ਮੌਸਮਾਂ ਲਈ ਵਾਜਬ ਉੱਚ-ਉਪਜ ਦੇਣ ਵਾਲੀਆਂ ਹਾਈਬ੍ਰਿਭ ਫਸਲਾਂ ਬਣਾਉਣ ਦੇ ਉੱਚੇਸ਼ ਨਾਲ ਵਿਆਪਕ ਖੋਜ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਹਨ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਬੀਜ ਦੇ ਉਤਪਾਦਨ ਦੌਰਾਨ ਨਵੀਨਤਮ ਤਕਨਾਲੇਜੀ ਅਪਣਾਉਂਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਕਿ ਇਹ ਗੱਲ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਈ ਜਾ ਸਕੇ ਕਿ ਕਿਸਨਾਂ ਨੂੰ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੇ ਬੀਜ ਮਿਲ ਸਕਣ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਵੁੱਲ ਗੱਭੀ ਦੇ ਬੀਜ ਜੈਵਿਕ ਅਤੇ ਅਜੈਵਿਕ ਤਣਾਅ ਪ੍ਰਤੀ ਸਹਿਣਸੀਲਤਾ ਦੇ ਨਾਲ ਸ਼ਾਨਦਾਰ ਵਿਕਾਸ ਅਤੇ ਬਿਹਤਰ ਸਕਤੀ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਚੰਗੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਲਈ ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆਂ ਖੇਤੀ ਅਭਿਆਸਾਂ ਦਾ ਪਾਲਣ ਕਰੋ। ਹੋਨਾਂ ਕੁਝ ਆਮ ਸੁਝਾਅ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ, ਇਸ ਲਈ ਅਸੀਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਕੋਈ ਵੀ ਫੈਸਲਾ ਲੈਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹੋ।

ਹਾਈਬ੍ਰਡ ਫੁਲ ਗੱਭੀ	ਮੇਪਲ' ਨਾਯਰਾ	ਸੋਵਿਯਾ													
ਮਿਆਦ ਖ਼ਰੀਫ	85-95 DAS ਮਈ-ਜੂਨ	95-105 DAS ਜਲਾਈ - ਅਗਸਤ	,	 							 				
ਰਬੀ		ਸ਼ੁਰੂਆਤੀ ਰਬੀ		1											
ਸਪ੍ਰਿੰਗ ਸਿੰਚਾਈ ਦਾ ਸਰੋਤ	ਹਾਂ ਜ਼ਮੀਨ	ਜ਼ਮੀਨ	-								 				
no cr c nos	LIFIC	LIFIC			ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਧਿਆਨ	ਦਿਓ ਕਿ ਫਸਲ ਦਾ ਵਾਧਾ ਅਤ	ਤੇ ਪਰਿਪੱਕਤਾ ਮੌਸਮ ਦੇ ਆਧਾ	॥ ਰ 'ਤੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ।	JI.						
ਸੀਰੀਅਲ ਨੰ.	ਵੇਰਵੇ/ਕਾਰਜ/ਅ	ਭਿਆਸ			ਕੰਮਕਾਜ ਦੇ ਵੇਰਵੇ। ਪ੍ਰਤੀ ਏਕ	ੜ ਇਨਪੁਟ									
1	ਖੇਤਰ/ਖੇਤੀ-ਜਲ	ਤਵਾਯੂ ਖੇਤਰ ਦੀ ਅਨੁ	ਕੂਲਤਾ		ਫੁੱਲ ਗੋਭੀ ਠੰਡਾ ਮੌਸਮ ਪਸੰਦ ਇਸ ਲਈ ਆਪਣੇ ਖੇਤਰ ਲਈ				ਨਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਕੁਝ ਉੱਚ-ਤਾਪ	ਮਾਨ ਸਹਿਣਸ਼ੀਲ ਕਿਸਮਾਂ ਵਿਕ	ਸਤ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ,				
2	ਜ਼ਮੀਨ/ਮਿੱਟੀ				ਹਲਕੀ ਮਿੱਟੀ ਅਗੇਤੀਆਂ ਫ਼ਸਲ	ਾਂ ਲਈ ਢੁਕਵੀਂ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਜਦੋਂ ਕਿ	ਂ, ਦੋਮਟ ਤੋਂ ਚੀਕਈ ਦੋਮਟ ਮਿੱਟ	ੀ ਮੱਧ ਅਤੇ ਦੇਰ ਦੇ ਮੌਸਮ ਦੀਅ	ਾਂ ਫ਼ਸਲਾਂ ਲਈ ਵਾਜਬ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।	ਮਿੱਟੀ ਦਾ ਆਦਰਸ਼ pH 5.5 ਤੇ	ੀ 6.0 ਹੈ।				
3	ਮੌਸਮ। ਬਿਜਾਈ/	ਲਗਾਉਣ ਦਾ ਸਮਾਂ			ਭਾਰਤ ਵਿੱਚ ਕਈ ਮੈਸਮਾਂ ਵਿੱਚ ਉਗਾਈ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਜਲਦੀ ਪੱਕਣ ਵਾਲੀਆਂ ਕਿਸਮਾਂ ਮਲੀ ਤੋਂ ਅਗਸਤ ਤੱਕ, ਮੁੱਖ ਪੱਕਣ ਵਾਲੀਆਂ ਕਿਸਮਾਂ ਸਤੰਬਰ ਤੋਂ ਅਕਤੂਬਰ ਤੱਕ ਅਤੇ ਦੇਰ ਨਾਲ ਪੱਕਣ ਵਾਲੀਆਂ ਕਿਸਮਾਂ ਅਕਤੂਬਰ ਤੋਂ ਦਸੰਬਰ ਤੱਕ ਲਗਾਈਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ।										
4	ਬੀਜ ਦੀ ਦਰ/ਏ	ਕੜ			120-160 ਗ੍ਰਾਮ/ਏਕੜ। ਬੀਜ ਦੀ ਦਰ ਕਿਸਮ 'ਤੇ ਨਿਰਭਰ ਕਰਦੀ ਹੈ।										
5	ਮੁੱਖ ਖੇਤ ਦੀ ਤਿਅ	ਮਾਰੀ ਅਤੇ ਬਿਜਾਈ				ਰਕੇ ਅਤੇ ਉਸ ਵਿੱਚ ਰੂੜੀ ਦੀ ਖ ਪਹਿਲਾਂ ਚੂਨਾ ਲਗਾਉਣਾ ਚਾਹੀ		ਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਮਿੱਟੀ ਪਰਖ	ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਹਰ 3 ਸਾਲਾਂ ਬਾ	ਅਦ ਸਲੇਕਡ ਚੂਨਾ ਲਗਾਉਣ ਦੰ	ੀ ਸਲਾਹ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।				
6	ਬੂਟਿਆਂ ਵਿਚਕਾਰ	ਤ ਦੂਰੀ			(ਕਤਾਰ ਤੋਂ ਕਤਾਰ x ਬੂਟੇ ਤੋਂ ਬ੍	ਭੂਟਾ): 60 ਸੈ.ਮੀ. x 30 ਸੈ.ਮੀ.									
7	ਜੈਵਿਕ ਅਤੇ ਰਸਾ	ਇਣਕ ਖਾਦ						ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ/ਹੈਕਟੇਅਰ। ਨਾਈਟ੍ਰੇ ਹੈ ਲਗਾਉਣ ਵੇਲੇ) ਟਾਪ ਡਰੈਸਿੰਗ	ਜਨ ਦੀ ਅੱਧੀ ਮਾਤਰਾ ਅਤੇ ਰੂੜੀ । ਵਜੋਂ ਪਾਉਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।	† ਦੀ ਖਾਦ, P205 ਅਤੇ K20 ਦ	ੀ ਪੂਰੀ ਮਾਤਰਾ ਬੇਸਲ ਖਾਦ				
8	ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਪਹਿਲ	ਤਾਂ ਬੀਜ ਦਾ ਉਪਚਾਰ	ı		ਬੀਜ 'ਤੇ ਕੈਪਟਨ 2 ਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰਤੀ ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ ਨਾਲ ਉਪਚਾਰ ਕਰੋ।										
10	ਸਿੰਚਾਈ ਦੀ ਸਮਾਂ	-ਸਾਰਈ			ਰੋਪਣ ਤੋਂ ਤੁਰੰਤ ਬਾਅਦ, ਹਲ ਼ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।	ਾ ਪਾਣੀ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਅਤੇ	ਬੂਟੇ ਸਥਾਪਤ ਹੋਣ ਤੱਕ ਜਾਰੀ	ਰੱਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਲੋੜ ਅ	ਲੁਸਾਰ ਸਿੰਚਾਈ ਕਰਨੀ ਚਾਹੀਦ	ਹੈ। ਮਿੱਟੀ ਵਿੱਚ ਪਾਣੀ ਦੀ ਉਪ					
11	ਖੇਤ ਦੀ ਨਦੀਨ-ਰ	ਨਾਸ਼ਕੀ/ ਰੁਕ-ਰੁਕ ਕੇ	ਵਾਹੀ		ਦੋ ਵਾਰ ਹੱਥ ਨਾਲ ਘਾਹ ਕੱਢਣ	ਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਕਿਸੇ ਵੰ	ੀ ਕਿਸਮ ਦੀ ਨਦੀਨ ਨਾ ਉੱਗਣ	ਦਿਓ। 30 ਅਤੇ 60 ਦਿਨਾਂ ਬਾਅ	ਦ, ਬੂਟਿਆਂ ਦੇ ਆਲੇ-ਦੁਆਲੇ ਮਿੱ	íਟੀ ਭਰ ਦਿਓ।					
12	ਪੈਸ਼ਟਿਕ ਤੱਤਾਂ/ਿ	ਵੇਕਾਸ ਰੈਗੂਲੇਟਰਾਂ ਦ	ਾ ਛਿੜਕਾਅ		ਪਹਾੜੀ ਇਲਾਕਿਆਂ ਲਈ (i) ਬੇਰਾਨ 3000 ppm (3 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ) ਨੂੰ ਪੱਤਿਆਂ 'ਤੇ ਛਿਤਕਾਅ ਦੇ ਤੌਰ 'ਤੇ 650 ਲੀਟਰ ਛਿਤਕਾਅ ਘੋਲ/ਹੈਕਟੇਅਰ ਦੀ ਦਰ ਨਾਲ ਰੇਖਣ ਤੋਂ 30 ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ ਲਗਾਓ। (ਨੋਟ: ਬੇਰਾਕਸ ਵਿੱਚ 11.3% ਬੇਰਾਨ ਅਤੇ 17.5% ਬੇਰਿਕ ਔਸਿਡ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।) (ii) ਰੇਖਣ ਤੋਂ 32.45 ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ ਸਿਫਾਰਸ਼ ਕੀਤੇ ਅਨੁਸਾਰ ਦੇ ਖੁਰਾਕਾਂ ਵਿੱਚ ਵਪਾਰਕ ਸੂਖਮ ਪੈਸ਼ਟਿਕ ਤੱਤ ਫਾਰਮੂਲੇ ਲਗਾਓ।										
13	ਕੀਟ ਅਤੇ ਰੇਂਗ ਵਿ	ਨਯੰਤਰਵ			ਫੀਲਡ ਕ੍ਰਿਕੇਟ, ਕੱਟ ਵਰਮ, ਲ ਬਲੈਕ ਰੌਟ: ਰੋਪਾਈ ਕਰਨ ਤੋਂ ਪੱਤੇ ਖਾਣ ਵਾਲੇ ਕੀੜਿਆਂ ਨੂੰ ਕੰ ਬ੍ਰਿਪਸ/ਐਫਿਡਜ਼: ਫਲੋਨੀਕਾਮਿ ਫਲਾਂ ਦੀ ਮੱਖੀ ਨੂੰ ਕੰਟਰੋਲ ਕਰ	ਬਾਅਦ ਮਿੱਟੀ ਵਿੱਚ 100-200 ਟਰੋਲ ਕਰਨ ਲਈ: ਅਬਾਮੇਕਟਿ ਫ਼ 50% WG (0.5 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀ ਨ ਲਈ: ਫੇਰੋਮੋਨ ਜਾਲ ਦੀ ਵਰ	: ਕੀੜੇ: ਫਲੂਬੈਂਡੀਅਮਾਈਡ 8.3: ppm (0.1-0.2 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਚ ਨ 1.8% EC (0.5-1 ਮਿ.ਲੀ., ਟਰ) ਜਾਂ ਫਲੂਬੈਂਡੀਅਮਾਈਡ 8. ਤੋਂ ਕਰੋ। 1 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ ਦੀ	3% + ਡੈਲਟਾਮੇਥਰਿਨ 5.56%) ਸਟ੍ਰੈਪਟੋਮਾਈਸਿਨ ਘੋਲ ਪਾਓ। /ਲੀਟਰ)	% w/w SC (0.5 ਮਿ.ਲੀ./ਣ ਫੜਕਾਅ ਕਰੋ						
14	ਵਾਢੀ				ਵਾਢੀ ਦਾ ਸਮਾਂ ਕਿਸਮ ਦੇ ਅਨੁਸਾ ਦੇ ਹੇਠਾਂ ਡੰਡੀ ਨੂੰ ਕੋਂਟੋ, ਜਾਂ ਜੇ ਟੁੱਟ		ਵੇਗਾ। ਉਸ ਫੁੱਲ ਗੋਤੀ ਦੀ ਕਟਾਈ	ੀ ਕਰੋ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਸਿਰ ਪੱਕੋ, ਮਜ਼ਬੂਤ	ਅਤੇ ਚਿੱਟੇ ਹੋਣ। ਫੁੱਲ ਗੋਭੀ ਦੇ ਸਿ	ਰ ਨੂੰ ਢਿੱਲਾ ਨਾ ਹੋਣ ਦਿਓ। ਵਾਢੰ	ਕਰਦੇ ਸਮੇਂ, ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਸਿਰ				
15	ਅਨੁਮਾਨਿਤ ਝਾੜ	r			ਝਾੜ ਕਿਸਮ 'ਤੇ ਨਿਰਭਰ ਕਰਾ ਟਨ ਤੱਕ ਵੱਧ ਸਕਦਾ ਹੈ।	ਦਾ ਹੈ, ਸ਼ੁਰੂਆਤੀ ਸੀਜ਼ਨ ਦੀਆਂ	ਕਿਸਮਾਂ ਦਾ ਔਸਤ ਝਾੜ 3.5 ਤ	ਤੋਂ 5 ਟਨ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ, ਜਦਕਿ [:]	ਦੇਰ ਨਾਲ ਆਉਣ ਵਾਲੀਆਂ ਕਿਸ	ਮਾਂ ਲਈ ਇਹ ਆਦਰਸ਼ ਹਾਲਤ	[†] ਵਿੱਚ ਪ੍ਰਤੀ ਏਕੜ 10-12				
17	ਸਟੋਰੇਜ				ਕਟਾਈ ਤੋਂ ਬਾਅਦ, ਫੁੱਲ ਗੋਭੀ ਨੂੰ	95-98% ਦੀ ਸਾਪੇਖਿਕ ਨਮੀ ਵ	ਲੀ ਠੰਢੀ, ਨਮੀ ਵਾਲੀ ਜਗ੍ਹਾ 'ਤੇ ਸ	ਸਟੋਰ ਕਰੋ। ਸਟੋਰੇਜ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਇਹ	ਹ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਓ ਕਿ ਗੋਭੀ 'ਤੇ ਕੋੲ	ੀ ਸੱਟ ਜਾਂ ਨੁਕਸਾਨ ਨਾ ਹੋਵੇ।					
18	ਕੀ ਨਾ ਕਰੋ				ਜ਼ਿਆਦਾ ਪਾਣੀ ਦੇਣ ਤੋਂ ਬਚੇ, ਖਾ ਨਕਾਰਾਤਮਕ ਪ੍ਰਭਾਵ ਪਾ ਸਕਦਾ ਹੈ		ਕੇਉਂਕਿ ਇਸ ਨਾਲ ਸਿਰੇ ਫੁੱਟ ਸਕਾਂ	ਦੇ ਹਨ। ਵਾਢੀ ਦੇ ਬਹੁਤ ਨੇੜੇ ਜ਼ਿਅ	ਾਦਾ ਨਾਈਟ੍ਰੇਜਨ ਪਾਉਣ ਤੋਂ ਬਚੋ; ਇ	ਦਹ ਐਫਿਡਜ਼ ਨੂੰ ਉਤਸ਼ਾਹਿਤ ਕਰ ਸ	ਕਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਗੋਭੀ ਦੇ ਸਿਰਾਂ 'ਤੇ				
19	ਕੀ ਕਰੋ														
ਨੇਟ	ਇਹ ਜਾਣਕਾਰੀ ਹਿ	ਮੇਰਫ਼ ਆਮ ਜਾਣਕਾਰ	ਜ਼ੀ ਲਈ ਹੈ। ਕਿ	ਸੇ ਖਾਸ ਖੇਤਰ	ਤ ਲਈ ਖਾਸ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ਾਂ ਲਈ, ਕਿ	ਰਚਾ ਕਰਕੇ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਹ	ਤਾਜ ਦੇ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਵਿਭਾਗ ਨਾਟ	ਲ ਸੰਪਰਕ ਕਰੋ।							

ਕਈ ਕਾਰਨ' ਕਰਕੇ ਫਸਲਾਂ ਦਾ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਝਾਤ ਪੁਰਾਵਿਤ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ, ਸਲਾਹ ਲਈ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਧਿਕਾਰੀ ਨਾਲ ਗੱਲ ਕਰਨ ਦੀ ਸਲਾਹ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਓ ਕਿ ਸਿਰਫ ਚੰਗੀ ਕੁਆਲਿਟੀ ਦੀਆਂ ਖਾਦਾਂ ਅਤੇ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ। ਬੀਜ, ਖਾਦ ਅਤੇ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਖਰੀਦ ਦੇ ਬਿੱਲਾਂ ਨੂੰ ਸੱਭਾਲ ਕੇ ਰੱਖੇ।